संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -315 सोमवार ,16 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

नितिन गडकरी को पीएम पद का ऑफर देना गलत नहीं

मुंबई ,15 सितम्बर 2024(ए)। लोकसभा चुनाव 2024 के कई महीने बाद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के एक नेता ने उन्हें पीएम पद का ऑफर दिया था। उनके इस बयान के बाद राजनीति गरमा गई है। शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, नितिन गडकरी भाजपा के सबसे सर्वमान्य नेता हैं और मुझे नहीं लगता कि किसी ने उनसे प्रधानमंत्री पद के लिए पैरवी करने को कहा होगा। जिस तरह से इस देश में तानाशाही चल रही है और जिस तरह से दस साल पहले आपातकाल की शुरुआत हुई थी। उन्हें अगर यह सलाह किसी ने दी है, विपक्ष के किसी नेता ने दी है तो मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता।संजय राउत ने कहा, मुझे लगता है कि अगर कोई मौजूदा सरकार में रहते हुए भी इस देश के मूल्यों, लोकतंत्र, न्यायपालिका और स्वतंत्रता से नहीं जुड़ता है, तो यह राष्ट्रीय अपराध है। नितिन गडकरी ने हमेशा इन सबके खिलाफ बोला है, आवाज उठाई है और अपने विचार व्यक्त किए हैं । इसलिए अगर विपक्ष के किसी बड़े नेता ने, जिनका वह बहुत सम्मान करते हैं, उन्हें कुछ सलाह दी है, तो इसमें दुखी होने की जरूरत नहीं है ।

मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ने लगाई फांसी

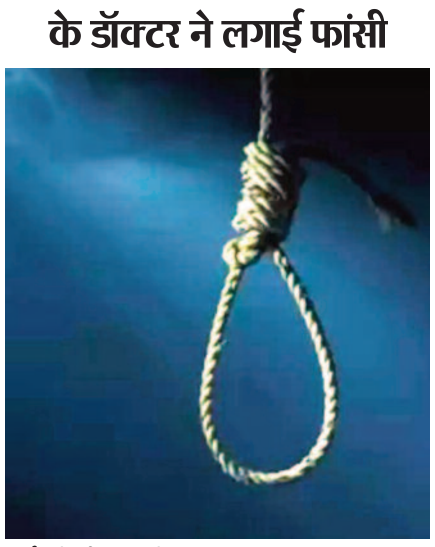

नई दिल्ली,15 सितम्बर 2024 (ए)। राष्ट्रीय राजधानी के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में रविवार को एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने फांसी लगाकर जान दे दी। सुसाइड करने वाले डॉ. नवदीप सिंह पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे थे। वह रेडियो डायग्नोस्टिक के छात्र थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन अब तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की छानबीन जारी है। आत्महत्या के कारणों को पता लगाया जा रहा है।खबर लिखे जाने तक यह स्पष्ट नहीं है कि मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है या नहीं।

अब कौन बनेगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री...

- दिल्ली सीएम ने बताया अपना अगला प्लान...
- आतिशी बनेगी दिल्ली की अगली सीएम:अरविंद केजरीवाल...
- अरविंद केजरीवाल ने खेला गजब का दांव...
- बीजेपी चारों खाने चित्त हुई...

नई दिल्ली,15 सितम्बर 2024(ए)। आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के दो दिन बाद दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफे का ऐलान किया है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंचे केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करके हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। केजरीवाल ने रविवार को कहा कि 2 दिन बाद मैं सीएम पद से इस्तीफा दूंगा। कानून की अदालत से मुझे इंसाफ मिला, अब जनता की अदालत मुझे इंसाफ देगी। उन्होंने आप कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मैं दो दिनों बाद इस्तीफा देने जा रहा हूं। अगला सीएम चुनने के लिए विधायक दल की बैठक होगी। इसमें सीएम पर फैसला लिया जाएगा।

सीएम केजरीवाल ने कहा, जनता के आशीर्वाद से बीजेपी के सारे षड्यंत्र का मुकाबला करने की ताकत रखते हैं। बीजेपी के आगे हम ना झुकेंगे ना रुकेंगे और ना बिकेंगे। आज दिल्ली के लिए कितना कुछ कर पाए क्योंकि हम ईमानदार हैं। आज ये हमारी ईमानदारी से डरते हैं क्योंकि ये ईमानदार नहीं है। मैं पैसे से सत्ता और सत्ता से पैसा इस खेल का हिस्सा बनने नहीं आया था। 'उन्होंने आगे कहा, 2 दिन बाद मैं सीएम पद से इस्तीफ़ा दूंगा। कानून की अदालत से मुझे इंसाफ मिला, अब जनता की अदालत मुझे इंसाफ देगी। अब दिल्ली की जनता के आदेश के बाद ही दोबारा मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा।

मां सीता की तरह मैं भी अग्नि परीक्षा दूंगा

आपको लग रहा होगा कि अभी रिहा होकर आया है और ऐसा क्यों बोल रहा है। इन्होंने आरोप लगाया है कि केजरीवाल चोर है, भ्रष्टाचारी है, भारत माता के साथ धोखा किया है। मैं देश के लिए कुछ करने आया था, जब 14 साल के बाद भगवान राम वनवास से लौटे तो सीता को अग्नि परीक्षा देनी पड़ी थी। आज मैं अग्नि परीक्षा दूंगा।

लगातार 3 बार सीएम बने

दिल्ली में फरवरी 2025 में केजरीवाल सरकार का कार्यकाल खत्म होने वाला है। केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी 2013 से दिल्ली की सत्ता में हैं।दिल्ली में 4 दिसंबर, 2013 को कुल 70 सीटों पर विधानसभा चुनाव हुए थे। 8 दिसंबर 2013 को नतीजे आए। इसमें भाजपा 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। हालांकि, बहुमत नहीं मिला। आप को 28 और कांग्रेस को 8 सीटें मिलीं। कांग्रेस के समर्थन से अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री बनते हुए सरकार बनाई। हालांकि, 49 दिन बाद दोनों पार्टियों का गठबंधन टूट गया। 7 फरवरी, 2015 को दिल्ली में फिर से विधानसभा चुनाव हुए। इसमें आप ने 67 सीटों पर जीत हासिल की। भाजपा सिर्फ तीन सीटों पर सिमट गई थी।पांच साल बाद 8 फरवरी, 2020 के विधानसभा चुनाव में,क्क ने कुल 70 सीटों में 62 सीटों पर जीत हासिल की है। 8 सीटें भाजपा के खाते में गईं।

शराब नीति केस में 156 दिन जेल में बिताए

शराब नीति केस में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में केजरीवाल को 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी थी। उन्हें सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार किया था। इसके पहले केजरीवाल को श्वष्ठ ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 10 दिन की पूछताछ के बाद 1 अप्रैल को तिहाड़ जेल भेजा गया। 10 मई को 21 दिन के लिए लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए रिहा किया गया। ये रिहाई 51 दिन जेल में रहने के बाद मिली थी। 2 जून को केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया था। इस तरह से वे 156 दिन जेल में बिता चुके हैं।

मैंने जेल में रामायण, गीता और भगत सिंह को पढ़ा

इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'सतेंद्र जैन, अमानतुल्ला खान भी जल्दी बाहर आएंगे। दिल्ली के लोगों ने हमारे लिए प्रार्थना की, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं.. मैंने जेल में कई किताबें पढ़ीं रामायण, गीताज मैं अपने साथ भगत सिंह की जेल डायरी लाया हूं। भगत सिंह की डायरी भी पढ़ी.'इसके पहले सीएम केजरीवाल ने कहा, 'उनकी छोटी सी पार्टी ने देश की राजनीति बदल दी। जेल में सोचने का वक्त मिला। मैंने जेल से एक ही पत्र लिखा था वो भी एलजी साहब को, 15 अगस्त था, स्वाधीनता दिवस के अवसर पर सीएम झंडा फहराते हैं। मैंने कहा कि आतिशी जी को झंडा फहराने की इजाजत दी गई। वो चिट्ठी मुझे वापस कर दी गई ।

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के साथ थाना प्रभारी मंडल को भी सीबीआई ने किया गिरफ्तार

कोलकाता,15 सितम्बर 2024 (ए)। सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ रेप के बाद उसकी हत्या के मामले में सीबीआई ने पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और टाला थाने के ऑफिसर इंचार्ज अभिजीत मंडल को गिरफ़्तार कर लिया है।

सीबीआई ने सुबूतों के साथ छेड़छाड़, उनको ग़ायब करने और देरी से एफ़आईआर दर्ज करने के आरोप में शनिवार देर रात गिरफ़्तार किया गया। आर्थिक घोटाले के एक मामले में संदीप घोष पहले से ही सीबीआई की हिरासत में हैं। सीबीआई के अलावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रहा है। फ़िलहाल उनको 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में प्रेसीडेंसी जेल में रखा गया है। अब सीबीआई नए मामले में उनको रिमांड पर लेने की कोशिश कर सकती है। जांच एजेंसी ने मामले में अब तक की गई छापेमारी का ब्योरा साझा किया है।

संदीप घोष के खिलाफ ये हैं आरोपः

सीबीआई ने संदीप घोष के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया, ÷उन्हें जांच को गुमराह करने और पीड़िता की मौत की तुरंत घोषणा न करके और एफआईआर दर्ज करने में काफी देरी करके सबूत नष्ट करने में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी ने रेप और हत्या के आरोपों की जांच के लिए घोष को रिमांड पर लेने के लिए स्थानीय कोर्ट में आवेदन किया है। उन्हें दो सितंबर को अस्पताल में प्रिंसिपल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

एफआईआर दर्ज करने में 14 घंटे की देरी

इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए नौ सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य डायरी (जीडी) और एफआईआर के पंजीकरण के समय के बीच विसंगति की ओर इशारा किया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, यह बहुत साफ है कि एफआईआर दर्ज करने में कम से कम 14 घंटे की देरी हुई है।÷

एफआईआर दर्ज करने में देरी करने के आरोप में पुलिस अधिकारी अरेस्ट

इस बीच, ताला पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अभिजीत मंडल को एजेंसी के सवालों का संतोषजनक तरीके से जवाब न देने के बाद गिरफ्तार किया गया। उन्हें सबूतों से छेड़छाड़ करने और अपराध की सूचना मिलने के बाद एफआईआर दर्ज करने में देरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। चूंकि, ये अस्पताल ताला पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है।

मंडल से कई घंटों तक हुई पूछताछ

सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया, पुलिस अधिकारी से पहले आठ बार पूछताछ की जा चुकी है और हर बार उसने अलग-अलग बयान दिए हैं। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और कल कोर्ट में पेश किया जाएगा। गिरफ्तारी से पहले शनिवार को अभिजीत मंडल से कई घंटों तक पूछताछ की गई।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू का विवादित बयान

राहुल गांधी को बताया देश का नंबर वन आतंकवादी

नई दिल्ली,15 सितम्बर 2024(ए)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें 'देश का नंबर वन आतंकवादी' करार दिया है। बिट्टू ने कहा कि राहुल गांधी ने सिख समुदाय को बांटने का प्रयास किया है और वह देश में विभाजन की चिंगारी भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। बिट्टू ने ये विवादित टिप्पणियाँ राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए बयान के संदर्भ में की हैं। राहुल गांधी ने हाल ही में वर्जीनिया में भारतीय अमेरिकी समुदाय से बातचीत करते हुए आरोप लगाया था कि कुछ धर्मों और समुदायों को कमतर मानता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सिखों को उनकी धार्मिक पहचान के अनुसार बर्ताव का अधिकार नहीं दिया जा रहा है।

भागलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बिट्टू ने कहा, राहुल गांधी ने सिखों को बांटने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि सिख किसी पार्टी से जुड़े नहीं हैं, लेकिन राहुल गांधी उनकी धार्मिक पहचान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिट्टू ने दावा किया कि राहुल गांधी ने अपने बयान से उन लोगों की सराहना की है जो देश में आतंकवाद और अलगाववाद फैलाते हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी के बयान वही हैं जो देश के वांटेड आतंकवादी देते हैं। अब जो लोग बम और गोला-बारूद बनाने की धमकी देते हैं, वे राहुल गांधी के बयान को सराह रहे हैं। यह साबित करता है कि राहुल गांधी देश के नंबर वन आतंकवादी हैं और उन्हें पकड़ने के लिए सबसे बड़ा इनाम होना चाहिए।बिट्टू ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी को भारत से सच्चा प्रेम नहीं है, क्योंकि वह अधिक समय विदेशों में बिताते हैं और उनके दोस्त और परिवार भी वहीं हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने राजनीति में रहते हुए भी मजदूरों का दर्द समझने की कोशिश नहीं की। अब जब वह विपक्ष के नेता हैं और फोटो खिंचवाने के लिए विभिन्न स्थानों पर जाते हैं, तो उनका मजाक बनता है।

मुंबई की एक अभिनेत्री के चक्कर में 3 आईपीएसअधिकारियों पर गिरी गाज

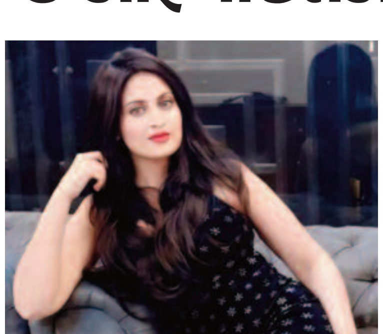

हैदराबाद,15 सितम्बर 2024(ए)। आंध्र प्रदेश सरकार ने रविवार को अलग-अलग आदेश जारी कर तीन सीनियर आईपीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इसमें डीजी रैंक के एक अधिकारी भी शामिल हैं। भारतीय पुलिस सेवा के इन अधिकारियों पर मुंबई की एक अभिनेत्री व मॉडल कादंबरी जेठवानी को उसके खिलाफ दर्ज मामले में उचित जांच के बिना जल्दबाजी में गिरफ्तार करने और परेशान करने में संलिप्तता का आरोप है।

3 आईपीएसअधिकारियों को गिया निलंबित

एक सरकारी आदेश के मुताबिक, पूर्व खुफिया प्रमुख पी. सीताराम अंजनेयुलु (महानिदेशक रैंक) को निलंबित किया गया है। विजयवाड़ा के पूर्व पुलिस आयुक्त कांथी राणा टाटा (महानिरीक्षक रैंक) और तत्कालीन पुलिस उपायुक्त (विजयवाड़ा) विशाल गुन्नी (पुलिस अधीक्षक रैंक) को अभिनेत्री जेठवानी के उत्पीड़न में उनकी भूमिका का खुलासा होने के बाद निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने अभिनेत्री को दी धमकी

अभिनेत्री कांदबरी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उन्हें धमकी दी थी कि अगर उन्होंने मुंबई में निगम के एक शीर्ष अधिकारी के खिलाफ दर्ज मामला वापस नहीं लिया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अभिनेत्री को इस साल की शुरुआत में पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार के दौरान पार्टी के एक नेता को उस शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उन पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था।

अभिनेत्री को गिरफ्तार करने का आदेश

आरोप है कि तत्कालीन खुफिया प्रमुख ने दो अन्य अधिकारियों को अभिनेत्री को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया, हालांकि उस तारीख तक उनके खिलाफ कोई अपराध दर्ज नहीं हुआ था। सरकारी आदेश के मुताबिक, रिकॉर्ड के अनुसार अभिनेत्री कादंबरी जेठवानी के खिलाफ एफ आई आर दो फरवरी को सुबह 6:30 बजे दर्ज की गई थी, जबकि अंजनेयुलु ने प्राथमिकी दर्ज करने से पहले 31 जनवरी को ही कांथी राणा टाटा और विशाल गुन्नी को निर्देश दिए थे।

दर्ज किया गया झूठा केसः अभिनेत्री

अभिनेत्री ने हाल ही में कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया और उन्हें परेशान किया गया।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया की सुरक्षा में बड़ी चूक

मंच पर भागते हुए चढ़ गया शख्स

बैंगलुरू,15 सितम्बर 2024 (ए)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की सुरक्षा में बड़ी चूक हो गई। बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान भरे मंच पर दौड़ते हुए एक शख्स चढ़ गया, जहां सीएम सिद्धारमैया मौजूद थे। अनजान व्यक्ति की हरकत को पहले तो कोई कुछ समझ नहीं पाया, जब सुरक्षाकर्मियों ने रोका, तो सब लोग कुछ पल के लिए हैरान रह गए। मंच पर शख्स चढ़ा तो सीएम तक नहीं पहुंच पाया और उसे पहले ही पकड़ लिया गया। फिलहाल उस शख्स के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है और ना ही यह साफ हुआ है कि वह मंच पर किस इरादे से चढ़ा था। सुरक्षाकर्मियों ने संदिग्ध शख्स को पकड़ कर पुलिस कौ सौंप दिया। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

सीएम सिद्धारमैया एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद थे, तभी एक शख्स तेजी से दर्शकदीर्घा से उठकर मंच की तरफ दौड़ते भागा। हालांकि, सीएम की सुरक्षा में मौजूद सुरक्षाकर्मी ने उसे सीएम की कुर्सी तक पहुंचने से पहले ही दबोच लिया।

किसानों की महा पंचायत बनी आफत

पंजाब-हरियाणा बॉर्डर सील, लोग हो रहे परेशान

कैथल ,15 सितम्बर 2024 (ए)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच रविवार को उचाना में प्रस्तावित किसानों की महापंचायत के मद्देनजर हरियाणा-पंजाब बॉर्डर को सील कर दिया गया है। इससे पड़ोसी राज्यों की सीमा के आर-पार आने-जाने वाले लोगों को काफी समस्या हो रही है। उनका कहना है कि प्रशासन ने इस तरह से बैरिकेडिंग की है कि पैदल चलने वाले राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। सीमावर्ती कैथल जिले में लोगों का कहना है कि बैरिकेडिंग को लेकर प्रशासन की ओर से कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया है। यहां पर प्रशासन से कोई अधिकारी नहीं है जो लोगों को इस संबंध में बता पाए। बैरिकेडिंग होने से बड़े-बुजुर्ग बच्चे परेशान हो रहे हैं। एक व्यक्ति ने कहा कि उसे दवाइयां लेने के लिए पटियाला जाना था। लेकिन, बैरिकेडिंग की वजह से कई किलोमीटर घूमकर जाना होगा जिससे काफी परेशानी हो रही है।

बता दें कि आज उचाना में किसानों की एक महापंचायत होनी थी। पुलिस ने हरियाणा के कैथल और पंजाब के पटियाला स्टेट हाईवे बॉर्डर को कंक्रीट बैरिकेड्स लगाकर सील कर दिया है।किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में कोहड़ ने कहा है कि 22 जुलाई को उन्होंने घोषणा की थी कि हरियाणा में किसानों की राष्ट्रीय स्तर की दो महापंचायत होगी। उचाना की नई अनाज मंडी में 15 सितंबर को एक महापंचायत होनी थी। उन्होंने कहा, तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी। हरियाणा के सभी जिलों से भारी संख्या में किसान महापंचायत में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। पंजाब सहित पूरे देश से किसान आ रहे हैं।

संपादकीय

क्रूरतम और वीभत्स मुकाम मानव विवेक के लिए स्वीकार करना नामुमकिन

लोग जब बलात्कार जैसी घटना को नजारे की तरह देखने लगें, तो निशब्द होने के अलावा किसी विवेकशील व्यक्ति के पास और क्या बच जाता है? उज्जैन में जो दिखा,उसे मानवीय चेतना पर प्रहार के अलावा और क्या कहा जा सकता है? उज्जैन में जो हुआ,मानव विवेक के लिए उसे सहज स्वीकार करना नामुमकिन है। कोई मुजरिम सरेआम फुटपाथ पर बलात्कार करे,यही अपने-आप में आहत करने वाली बात है। उससे भी ज्यादा संवेदना को चोटिल करने वाला पहलू यह है कि राहगीर उसे देखते रहें, उनमें से कुछ अपने स्मार्टफोन पर वीडियो बनाएं,और फिर वीडियो को कुछ बड़ा हासिल कर लेने जैसे भाव के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड करें! घटना को रोकने की कोशिश तो दूर, उन दर्शकों में से कोई ऐसा नहीं निकला जो कम-से-कम शोर मचाता या पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन करता।यहां तक कि घटना हो जाने के बाद भी किसी ने पुलिस को सूचना देने की जरूरत नहीं समझी! लोग जब बलात्कार जैसी घटना को नजारे की तरह देखने लगें, तो निशब्द होने के अलावा किसी विवेकशील व्यक्ति के पास और क्या बच जाता है? ऐसी घटनाएं पहले हत्या और दूसरे अपराधों के मामले में हुई हैं। आपदा एवं मानवीय त्रासदी के कई मौकों पर भी देखा गया है कि लोग पीड़ित की मदद करने के बजाय वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर डालने में मशगूल रहे।यह बेहिचक कहा जा सकता है कि उज्जैन में यह ट्रेंड अपने क्रूरतम और वीभत्स मुकाम तक पहुंच गया। बलात्कार जैसे सिरे से अस्वीकार्य जुर्म के समय भी लोगों की संवेदना इतनी कुंद पड़ी रहे, तो फिर न्याय या व्यवहार में मानवीयता बने रहने की कितनी उम्मीद बची रहेगी? इस सामाजिक मनोविज्ञान के बीच ये समझना आसान हो जाता है कि क्यों पिछले दस वर्षों में कानून के राज को निष्प्रभावी करने का एक राजनीतिक प्रयोजन बिना किसी सार्थक प्रतिरोध के आगे बढ़ता चला गया है।

आर्थिक तंत्र पर बोझ बनती प्राकृतिक विपदाएं

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र,विकास नष्ट हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन और समाज और देश को बड़ी हानि पहुंचाकर उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जातें हैं।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग के व्यक्ति तथा मजदूर तबके के व्यक्ति प्रभावित होतें हैं उनकी दिनचर्या सामूहिक रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका की एक बडी विडंबना सताने लगती है।

भारत के भू भाग का लगभग 58 प्रतिशत क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68 प्रतिशत भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12 प्रतिशत है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना रहती है।भारत नें विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लडी है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया था। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात, सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है । ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में

आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 3 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया था।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती है।

सहकारी क्षेत्र में नई जान फूँकेंगी प्राथमिक कृषि ऋण समितियां

दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025' के स्वागत की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब भारत का सहकारिता क्षेत्र मजबूत स्थिति में है और देशभर में नई, मजबूत और तेजी से उभरती हुई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) का प्रसार हो रहा है। आर्थिक और प्रशासनिक सुधारों से लैस ये पीएसीएस अब ग्रामीण और कृषि प्रधान भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि' के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।यद्यपि भारत में सहकारिता का गौरवशाली इतिहास रहा है, लेकिन कुप्रबंधन, संकट के समय पर्याप्त सरकारी समर्थन की कमी और आवश्यक सुधारों की अनुपस्थिति के कारण इसके विकास में रुकावट आई है। हालाँकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में सहकारिता मंत्रालय का गठन करने और अपने भरोसेमंद सहयोगी अमित शाह को इसकी कमान सौंपने के तुरंत बाद सहकारिता क्षेत्र में बदलाव की बयार बहने लगी।गुजरात में सहकारिता आंदोलन को नया आकार देने वाले सुधारों के प्रणेता के रूप में विख्यात सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद राष्ट्रीय सहकारिता परिदृश्य में बड़े पैमाने पर सुधार किए, जिससे दुनिया इस क्षेत्र की ओर उम्मीद से देखने लगी। सहकारिता की क्षमता को अब देश के भविष्य को आकार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय के साथ हुए बजट परामर्श में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ ने प्रमुख क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करने की क्षमता को बढाने के लिए सहकारी समितियों के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाने की सिफारिश की।सहकारिता क्षेत्र के पुराने जानकार अमित शाह सहकारिता क्षेत्र के विकास में बाधा डालने वाली वजहों से अच्छी तरह परिचित हैं। इन बाधाओं में पीएसीएस के विविधीकरण की कमी थी, जिसने उन्हें लगभग अव्यवहार्य बना दिया।। श्री शाह ने पीएसीएस के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण कार्य किया, वह उनके बायलॉज यानी उप-नियमों में बदलाव लाना था। पीएसीएस की समस्याओं से छुटकारे के लिए मॉडल बायलॉज लाकर उन्हें बहुउद्देश्यीय बनाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे उन्हें अपने व्यवसाय को 25 से अधिक व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ कर विविधता लाने में मदद मिली है। अब वे कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में काम कर रहे हैं, जो ग्रामीण भारत में 300 से अधिक ई-सेवाएं, जैसे - बैंकिंग, बीमा, आधार नामांकन/अपडेशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पैन कार्ड और आईआरसीटीसी /बस/हवाई टिकट आदि सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। अब तक 35,000 से अधिक पीएसीएस ने ग्रामीण नागरिकों को सीएससी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। साथ ही, अब उन्हें प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, जल समितियों, एलपीजी वितरकों, खुदरा पेट्रोल/डीजल दुकानों, किसान उत्पादक संगठनों आदि के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाया जा रहा है। पीएसीएस अब गांवों में सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं के वितरण के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के रूप में भी काम कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण आबादी के लिए सस्ती दवाएं उपलब्ध कराते हुए आय का एक और स्रोत पैदा हो रहा है। ये सभी प्रयास पीएसीएस की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए किए जा रहे हैं। सहकारिता मंत्रालय का अगला महत्वपूर्ण कार्य इस क्षेत्र में लोगों का विश्वास जीतना था, जो दशकों से कुप्रबंधन से ग्रस्त था। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 63,000 पीएसीएस का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। अब तक 23 हजार से अधिक पीएसीएस को एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सॉफ्टवेयर के साथ एकीकृत किया जा चुका है। पीएसीएस के कम्प्यूटरीकरण से उन्हें सीधे राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से जोड़ा जा सकेगा। कॉमन अकाउंटिंग सिस्टम और मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम से संचालन में एकरूपता आएगी। इससे पीएसीएस संचालन में जनता का विश्वास बढ़ेगा।सहकारिता क्षेत्र में हुई अनूठी पहलों से यह क्षेत्र अब नए आत्मविश्वास के साथ पूरे देश में संगठित रूप में काम कर रहा है, जो इसके लिए बहुत फायदेमंद है। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों से जिला सहकारी बैंकों में बैंक खाते खोलने का आह्वान किया है ताकि उन्हें व्यवहार्य बनाया जा सके। उनके अनुसार,सहकारी समितियों के बीच सहयोग एक मजबूत आर्थिक सिद्धांत है जो मजबूत सहकारी क्षेत्र के निर्माण के लिए ज़रूरी है। साल 2024 में सहकारिता मंत्रालय का दूसरी बार कार्यभार संभालते हुए अमित शाह ने जमीनी स्तर पर नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करके इस क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा था कि उनके पिछले कार्यकाल में नीतिगत ढांचा बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था और वर्तमान कार्यकाल में उनकी प्राथमिकता इन नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने की होगी।सहकारिता मंत्रालय द्वारा की गई सबसे महत्वपूर्ण पहल में से एक सहकारी क्षेत्र में विश्व का सबसे बड़ा विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण कार्यक्रम' है। इस योजना का उद्देश्य पीएसीएस स्तर पर अनाज भंडारण के लिए विकेंद्रीकृत गोदाम, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयाँ और अन्य कृषि अवसंरचनाएँ बनाना है। कृषि अवसंरचना कोष, कृषि विपणन अवसंरचना, कृषि यंत्रीकरण पर उप-मिशन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण आदि सरकार की विभिन्न योजनाओं को मिलाकर इस योजना का उद्देश्य देश के लिए एक विशाल भंडारण क्षमता का निर्माण करना है। इससे खाद्यान्न की बर्बादी और परिवहन लागत में कमी आएगी, किसानों को उनकी उपज के बेहतर दाम मिलेंगे और विभिन्न कृषि जरूरतों को पीएसीएस स्तर पर ही पूरा किया जा सकेगा। चूंकि पीएसीएस ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं, इसलिए इनके सुदृढ़ीकरण और पुनरुद्धार से बहुत जल्द ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा मिलेगा। पीएसीएस से जुड़ी गतिविधियों के बढ़ने से जहां मौसमी बेरोजगारी खत्म होने की उम्मीद है, वहीं इससे करीब 1 लाख पीएसीएस से सीधे जुड़े 13 करोड़ किसानों को विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय सृजन में फायदा होगा।

-शाजी के वी, अध्यक्ष, नाबार्ड-

करें प्रार्थना भोले से

कार्तिकेय कुमार
त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर
(म.प्र.)

तन-मन-धन सब भोले तेरा,
तू मेरा हो जाना,
सांझ-सवेरे बस अब मुझको,
गुण तेरे ही गाना।
तन-मन-धन .....
मान लिया है भोले मैंने,
बस तेरा ही कहना,
दुनिया की बातों में मुझको,
और नहीं है बहना।
तन-मन-धन ....
झांझ बजे डमरू भी बजता ,
काम नहीं कोई रुकता,
भोले के भजनों को गाकर,
कोई नहीं है थकता।
तन-मन-धन ....
भोले नें श्वांसों की गठरी,
भर कर दी है हमको,
कब खाली हो जाएगी ये,
पता नहीं है सबको।
तन-मन-धन .....
हम साधक बन करें साधना,
भक्ति-भाव गीतों से,
इच्छा नहीं और कोई उपजे,
करें प्रार्थना भोले से।
तन-मन-धन.....

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव

कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होते हैं । अभी मात्र हरियाणा और जम्मूकश्मीर में चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ है । पिछली बार महाराष्ट्र के चुनाव हरियाणा के साथ हुये थे । महाराष्ट्र की विधानसभा हरियाणा की विधानसभा के 22-23 डिन बाद खत्म हो जायेगी । विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि महाराष्ट्र में सत्ताधारी तीन पार्टियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर उलझ है । असल में अभी शिवसेना (शिंदे) का मुख्यमंत्री है । देवेन्द्र फडणवीस पूरे मुख्यमंत्री थे । परन्तु केन्द्र के निर्देश पर पुणे उपमुख्यमंत्री पद संभालना पड़ रहा है । अजित गुट भी अभी त्रिशंकु की स्थिति में हैं । उसका कोई नुमाइंदा केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जगह नहीं पा सका है । भाजपा चाहती है कि महाराष्ट्र में उनकी पार्टी का मुख्यमंत्री हों । यह शिंदे गुट को पसंद नहीं आयेगा । तो वह असमंजस में है । शिंदे गुट कांग्रेस या शरद गुट एन.सी.पी. से समझौता नहीं कर सकती । अजित गुट इतनी सीटें नहीं जीतेगा कि वह गठबंधन करके सरकार बना लें ।पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह दो दिन के दौरे पर जम्मू कश्मीर रही थे । उन्होंने घोषणा की है कि अगली सरकार उनकी ही बनेगी । असल में उन्हें जम्मू के हिन्दू वोटों पर भरोसा है । कश्मीर में तो उन्होंने पहले चरण के चुनाव में पांच-सात सीटों पर अपना उम्मीदवार ही नहीं खड़ा किया है । असल में वहां हिन्दू उम्मीदवार मिलना कठिन है । मिल भी जाए तो वह जीतेगा नहीं और मुसलमान उनकी पार्टी में बड़ी संख्या में शामिल नहीं है । जो मुसलमान भाजपा में शामिल हैं, उनके बहुत बड़ा वोट बैंक नहीं है । यही बीजेपी की दुविधा है । जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ और डॉ. मोहन यादव हिन्दुत्व की बात करते हैं उस सिद्धांत को देखते हुए भी ज्यादा मुसलमान भाजपा में नहीं जायेंगे । गुलाम नबी आजाद से भाजपा गठबंधन कर सकती है, परन्तु गुलाम नबी आजाद काफी ज्यादा सीटें नहीं जीत पाएंगे । उनकी पार्टी के पास काडर ही नहीं है । लगता है कि वे अकेले उसे पार्टी के सर्वेसर्वा हैं ।गृहमंत्री ने कहा है कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर हिन्दू पंडितों की वापसी होगी और पर्यटन में बढ़ावा देकर रोजगार सर्जित होंगे । अब पांच साल से 370 हटने के बाद उपराज्यपाल सरकार चला रहे हैं । तो इन पांच सालों में कितने कश्मीरी पंडितों की वापसी हुई है । जहां तक पर्यटन का सवाल है आप कश्मीर में.ए.सी. चलने लगे हैं तो पर्यटक क्यों कश्मीर जायेंगे । वैसे भी वहां बाहरी लोग आतंकवादियों की निशाने पर हैं, तो लोग आशंकित रहते हैं । असल में प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ के कारण न केवल कश्मीर बल्कि मसूरी, नैनीताल में भी अब लोग पंखे चलाते हैं । शायद अगले कुछ सालों में ए.सी. भी चलने लगे । कश्मीर में सेब की उपज भी कम हो रही है । अत- पर्यटन अब ज्यादा संख्या में कश्मीर का रुख नहीं करेंगे ।बेरोजग़ारी पूरे भारत की समस्या है । यह केवल कश्मीर की बात नहीं है । ।

-अजय दीक्षित-

भारत के लिए आगे बढ़ने की संभावनाएं खुली

पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढ़ने की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है।पेरिस में रविवार को खत्म हुए पैरालम्पिक खेलों में इस बार भारत ने रिकॉर्ड कामयाबी हासिल की। सात स्वर्ण, नौ रजत, और 13 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में भारत 18वें नंबर पर रहा। यह पहला मौका है, जब इन खेलों में भारतीय दल ने 29 पदक जीते हैं। और चूंकि पैरालम्पिक खेलों में भारत लगातार प्रगति कर रहा है, तो यह उम्मीद बांधी जा सकती है कि अगले खेलों में भारत सफलता की और सीढ़ियां चढ़ेगा।पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढ़ने की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है। 2016 के रियो द जनेरो पैरालम्पिक्स में भारत चार मेडल जीत कर 43 वें स्थान पर रहा था। 2020 के टोक्यो पैरालम्पिक्स में भारत ने 19 मेडल जीते और 24वें नंबर पर रहा।भारत की ये सफलताएं देश में विकलांग व्यक्तियों के प्रति बदलती सोच का संकेत है। देश के एक बड़े जनमत में यह भाव उतरा है कि विकलांगता का मतलब जीवन का बेमतलब होना नहीं है। विकलांगता किसी एक अंग की होती है, जिससे व्यक्ति की बाकी क्षमताएं एवं प्रतिभा अप्रभावित रहती है। आवश्यकता उसे उचित वातावरण उपलब्ध कराने की होती है।यह अच्छी बात है कि भारत सरकार ने विकलांग खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराया है। उनकी ट्रेनिंग और खेल प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उपाय किए गए हैं। यह सब पर्याप्त नहीं है, लेकिन जो हुआ है, उसे एक प्रगति माना जाएगा। पैरालम्पिक जैसे आयोजनों की तुलना ओलिंपिक्स से करना निरर्थक है। ओलिंपिक्स में वे खिलाड़ी भाग लेते हैं, जिनसे तमाम उम्मीदें रहती हैं। जबकि विकलांग व्यक्ति से समाज तो दूर, परिजन भी कोई आशा नहीं रखते। ऐसे खिलाड़ी तमाम प्रतिकूल चुनौतियों का मुकाबला करते हुए आगे बढ़ते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि हर विकलांग खिलाड़ी के पीछे एक पूरी कहानी होती है। यह कहानी संघर्ष, जीवट और जज्बे की होती है। किसी समाज को मापने का एक सटीक पैमाना यह है कि वह अपनी कमजोर इकाइयों से कैसा व्यवहार करता है। विकलांगता से ज्यादा बड़ी कुदरती कमजोरी कोई और नहीं हो सकती। इसके अलावा अन्य सभी कमजोरियों का आधार सामाजिक व्यवस्था है।देखा यह गया है कि जब व्यवस्था के केंद्र में हर तबके और हर व्यक्ति के विकास को केंद्र में रखा जाता है, तो उसके करिश्माई नतीजे देखने को मिलते हैं। गौर कीजिए- बीजिंग के घरेलू माहौल को छोड़ कर कभी ऐसा नहीं हुआ कि चीन स्वर्ण पदक जीतने के मामले में ओलिंपिक खेलों में अमेरिका को पछाड़ पाया हो। इस बार इसे उसकी एक बड़ी कामयाबी माना गया कि 40 स्वर्ण पदक जीत कर वह अमेरिका के साथ बराबरी पर रहा। लेकिन पैरालम्पिक्स की बात आते ही सारी कहानी बदल जाती है।पेरिस पैरालम्पिक्स में चीन ने 94 स्वर्ण, 73 रजत और 49 कांस्य के साथ 216 पदक जीते। दूसरे नंबर पर रहे ब्रिटेन ने 47 स्वर्ण पदक जीते, यानी चीन से ठीक आधा। उसे कुल 120 पदक हासिल हुए। 36 स्वर्ण पदको और 102 के कुल पदकों के साथ अमेरिका तीसरे नंबर पर रहा। दरअसल, इन खेलों में अमेरिका का दबदबा 1996 के बाद ही टूट गया था। साल 2000 के सिडनी पैरालम्पिक्स में ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर रहा। उसके बाद- यानी 2004 में एथेंस से लेकर 2024 में पेरिस तक पहला स्थान चीन ने हासिल किया है।अब बात सिर्फ पहले नंबर की नहीं है। बल्कि अब चीन का दबदबा इतना ज्यादा है कि बाकी देशों के बीच मुकाबला दूसरे नंबर पर आने के ही बच गया है। इस बात की पुष्टि हाल के हर पैरालम्पिक खेल करते हैं। आखिर इसका राज़ क्या है? हम भारत इस बात पर ध्यान दें, तो ओलिंपिक और पैरालम्पिक दोनों खेलों में भारत की प्रगति के लिए ठोस एवं फलदायी योजनाएं बना सकते हैं। खेल विशेषज्ञों से बात करें, तो चीन की सफलता के कुछ राज़ वे बताते हैं। उनके मुताबिक, चीन सरकार ने विकलांगों से संबंधित खेलों में भारी निवेश किया है। इससे उम्दा दर्जे का खेल ढांचा उपलब्ध हुआ है और ट्रेनिंग की आधुनिकतम सुविधाएं इन खिलाडियों को मिलती हैं।1. सरकार संचालित एथलीट विकास कार्यक्रम के तहत खिलाडियों के आगे बढ़ने की मजबूत बुनियाद उपलब्ध कराई गई है।2. प्रतिभा की पहचान और उनकी प्रगति का निरंतर ऑब्जर्वेशन किया जाता है।3. देश के अंदर विकलांग खेल प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित होती हैं, जिनसे खिलाडियों को बहुमूल्य अनुभव प्राप्त होता है।लेकिन वास्तव में यह पहलू पूरी कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। कहानी असल में बुनियादी स्तर पर सबके लिए उपलब्ध सुविधाओं से शुरू होती है। हर व्यक्ति की अपनी जरूरत के मुताबिक मानव विकास की मूलभूत व्यवस्था मौजूद रहे, तो प्रतिभा के झलकने, उसकी पहचान और फिर उसका पोषण करने का तंत्र स्वाभाविक रूप से कायम होता जाता है।

-सत्येन्द्र रंजन-

बेबसी है,लाचारी है

अशोक
पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

बेबसी है,लाचारी है,और दहशत का आलम है
यहाँ हर कोई खौफजदा है,पल-पल मातम है।
इंसानों की खाल में यहाँ भेड़ियों का आतंक है
इंसानी मुखौटों मैं, छिपा कोई वहशी घातक है।

इंसानों की इंसानियत अब, हो रही तार-तार है
क्यों यहाँ हर पल हो रही दरिंदगी ये बार-बार है
क्यों हर जगह-जगह घुम रहें शिकारी खूंखार है
कोई कैसे बचेगा इनसे यह तो वहशी दुराचार है।

जमीर इंसानों का, क्यों हो रहा इतना खुद्दार है
यहाँ हर एक शख्स, बेवजह हो रहा शर्मशार है
जहाँ होता था सन्नाटा, वहाँ चीखों की पुकार है
और शमशानो में धधक रहा अंगार ही अंगार है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा ....अम्बिकापुर न्यायालय........ के अधीन होगा।

CMYK

भारी बारिश से हाल बेहाल,संभाग में येलो अलर्ट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में शनिवार की रात से भारी बारिश हो रही है। जो रविवार को पूरे दिन होती रही। मुसलाधार बारिश के कारण लोग घरों में ही रहे। वहीं सोमवार को भी अति भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने संभाग के सभी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। 40-50 प्रति किलो मीटर तेज हवा चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने कम अवदाब आगे आकर काफी तिव्र हो गया है। इस कारण अंबिकापुर सहित उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो रही है।

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में कम अवदाब बना हुआ है। जो आगे बढने पर काफी तिव्र हो चुका है। इसका असर पूरी उत्तरी छत्तीसगढ़ में देखी जा रही है। अंबिकापुर में भी शनिवार की रात से मूसलधार बारिश हो रही है। रविवार को भी पूरे दिन बारिश होती रही। बारिश के कारण मौसम ठंड हो चुका है। अधिकतम 29.2 व न्यूनतम 23 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं शनिवार की रात से रविवार की सुबह 8 बजे तक 7.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। जबकि रविवार की सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक 8.2 मिमी वर्षा हुई है।

आज अति भारी बारिश की चेतावनी

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि रविवार को भारी बारिश की चेतावनी थी लेकिन सोमवार को अति भारी बारिश होने की संभावना है। अति भारी बारिश के साथ-साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा भी चलने की संभावना है। अति भारी बारिश के कारण सरगुजा संभाग के सभी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब का असर मंगलवार से धीरे-धीरे कमजोर पडना शुरू हो जाएगा। पर इसका असर 18 सितंबर तक रहने की संभावना है। वहीं सितंबर के अंत में भी बारिश हो सकती है।

छात्रावास अधीक्षक बनने 18 हजार 874 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित छात्रावास अधीक्षक के लिए भर्ती परीक्षा रविवार को संपन्न हुई। परीक्षा के लिए जिले भर में 89 केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के लिए कुल 34 हजार 7 सौ 98 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। वहीं भारी बारिश के कारण अधिकांश अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रह गए।

परीक्षा 100 अंकों की थी। जिसमें भाग- अ के तहत कंप्यूटर संबंधी सामान्य ज्ञापन पर आधारित 30 प्रश्न पूछे गए थे। जिसके लिए 30 अंक निर्धारित था। इन प्रश्नों के के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य था। भाग-ब में हिन्दी व्याकरण, अंग्रेजी, गणित, सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाक्रम, खेलकूद, देश-विदेश, छत्तीसगढ़ की सामान्य जानकारी और बाल मनोविज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए थे। गणित के सवालों को हल करने में अभ्यर्थी उलझे रहे। परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक हुई। परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय अंबिकापर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 89 केन्द्र बनाए गए थे। बारिश के कारण अधिकांश परीक्षार्थी दूर दराज वाले केन्द्रों पर समय पर नहीं पहुंचने पाए। इस लिए अधिकांश अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रह गए। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित छात्रावास अधीक्षक के लिए 34 हजार 798 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीयन कराया था। जिसमें 18 हजार 874 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। शेष 15 हजार 924 अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रह गए। इसका मुख्य कारण जिले में सुबह से भारी बारिश होना माना जार हा है। बारिश होने के कारण अधिकांश परीक्षार्थी समय पर अपने केन्द्र पर नहीं पहुंच सके।

यू-कुक होम अप्लायन्सेंस गुणवत्ता पूर्ण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

स्थानीय होटल अवलोन अंबिकापुर में जानी-मानी अग्रणी कुकर कंपनी यूनाइटेड एकता इंजीनियरिंग उद्योग ने भव्य डीलर मीट का आयोजन किया। मीटिंग में अंबिकापुर और सीतापुर के डिस्ट्रीब्यूटर अनिल ट्रेडर और मेटल्स के मालिक कमल और अमित सहित भारी संख्या में विक्रेता बंधु मौजूद थे। मौके पर कंपनी के सेल्स अधिकारी (ईस्ट इंडिया हेड) विकाश झा ने कहा कि हमारे कंपनी के उत्पाद ÷यू-कुक÷ कुकर, कूकवेंयर एवं होम अप्लायन्सेंस गुणवत्ता पूर्ण, काफी अच्छे दाम, और सबसे लंबी रेंज के साथ मे उपलब्ध है। और हम अपने उपभोंक्ता को पांच साल की गारंटी व वारंटी देते है और उसका बकायदा निर्वाह भी करते है। जो औरों से बेहतर है। इस मौके पे कंपनी के नेशनल हेड रविशंकर सिंह खास तौर पे इस मौके पे मौजूद हुए आगामी त्योहार को देखते हुए डीलरों के लिए विशेष आकर्षक स्कीम एवं गिफ्ट की घोषणा की गई। इसके अलावे कंपनी के एरिया मैनेजर अजय मिरी दो एरिया सेल्स इंचार्ज संजय सिदार और रौनक भी मौजूद थे।

हनुमान जनरल स्टोर में लगी आग,फायर बिग्रेड टीम सहित पड़ोसियों ने बुझाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के सदर रोड एसबीआई बैंक के बगल में शनिवार की देर रात एक जनरल स्टोर में आग लग गई। घटना की जानकारी पड़ोसी ने दुकान संचालक को दी। फायर ब्रिगेड व स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। संभावना जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट की वजह से दुकान में आग लगी।

जानकारी अनुसार सदर रोड स्थित एसबीआई बैंक के बगल में स्थित हनुमान जनरल स्टोर में शनिवार की रात 2 बजे अचानक आग लग गई। इसकी जानकारी दुकान के ठीक सामने रहने वाले मो. कयूम को लगी। उन्होंने दुकान से धुंआ उठता देख तत्काल इसकी सूचना दुकान संचालक सहित अन्य लोगों को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड व कोतवाली पुलिस तुरन्त ही मौके पर पहुंची। तत्काल ही आग पर नियंत्रण पा लिया गया। घटना में दुकान में रखा खिलौना, प्लास्टिक के सहित अन्य सामान जल गया।

सड़क़ हादसे में घायल महिला से जेवारात व रूपए लूटा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

घुनघुट्टा पुलिया के पास शनिवार को कार ने स्कूटी सवार महिला को टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला व उसके दो बेटी घायल हो गए। वहीं कार सवार मानवता दिखाते हुए आहतों के अस्पताल पहुंचाने के बजाए अमानविय करतूत करने में जुट गया। कार सवार लालच में आकर अचेत पड़ी स्कूटी सवार महिला के शरीर से जेवरात सहित नगदी 40 से 50 हजार रुपए लेकर फरार हो गया। इधर गंभीर रूप से जख्मी महिला की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। जबकि इसके दोनों बेटियों की स्थिति खतरे से बाहर है।

जानकारी के अनुसार पुशा समेरिया पति रामे राजेश (43) ग्राम परसोड़ी खुर्द थाना दरिमा की रहने वाली थी। शनिवार को वह नवागढ़ से अपने दो बेटी शितल व बरखा के साथ स्कूटी से अपने मायके छिंदकालो जा रही थी। रास्ते में घुनघुट्टा पुलिया के पास सामने से आ रही कार ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला सड़क़ किनारे फेंका गई और गंभीर चोट लगने से वह अचेत हो गई। वहीं इसके दोनों बेटियां भी हादसे में कुछ देर के लिए अचेत हो गई। कार सवार घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बजाए उनके साथ लूटपाट शुरू कर दी। कार सवार ने महिला के गले से मंगलसूत्र, कान की बाली सहित अन्य जेवरात व पर्स में रखे 40-50 हजार रुपए निकाल कर फरार हो गया। रास्ते से गुजर रहे अन्य लोगों ने घटना की जानकारी संजीवन 108 को दी और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जबकि दोनों बेटियां की स्थिति खतरे से बाहर है।

उद्घाटन मैच में तालपारा की टीम ने 1-0 गोल से देवनगर को हराया

» सांसद चिंतामणि महाराज ने संभाग स्तरीय नॉक आउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

संभाग स्तरीय नॉक आउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को गांधी स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज थे। उद्घाटन मैच सूरज क्लब तालपारा व फुटबॉल क्लब देवनगर के मध्य खेला गया। जिसमें तालपारा की टीम ने 1-0 गोल से देवनगर की टीम को हरा दिया।

उद्घाटन मैच के मुख्य अतिथि सांसद चितामणि माराज, विशिष्ट अतिथि अंबिकापुर विधाययक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज थे। प्रबोध मिंज छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष व जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष हैं। इनके द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। सांसद ने खिलाडियां से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल से शरीर स्वस्थ्य रहता है। इस लिए जीवन में खेल बहुत जरूरी है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला फुटबॉल संघ के संरक्षक रविन्द्र तिवारी, आलोक दुबे, अभिमन्यु गुप्ता, अंबिकेश केशरी, विवेक सिंह, विश्व विजय सिंह तोमर, शैलेंद्र प्रताप ड्क्षसह, मधुसुदन शुक्ला, आकाश गुप्ता, संतोष बिहाड़े, सर्वेश तिवारी व सरगुजा फुटबॉल एकाडमी के कोच रामहबादुर माला उपस्थित थे।

जनता यूनियन ने एम डी से भेंट कर संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण और नई भर्ती की मांग रखी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन अंबिकापुर के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को विद्युत विश्राम गृह गांधीनगर में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आरके शुक्ला का अम्बिकापुर आगमन पर स्वागत किया गया। इस सौजन्य भेंट के दौरान मैदानी कर्मचारियों से जुड़े अनेक विषयों पर चर्चा हुई, साथ ही संगठन ने उन्हें विभिन्न मांग एवं प्रस्ताव का पत्र भी सौंपा। पत्र में जनता यूनियन अम्बिकापुर ने प्रबंध निदेशक आरके शुक्ला से विभाग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को अविलंब नियमित करने तथा अम्बिकापुर में मैदानी कर्मचारियों के रिक्त पड़े सैकड़ों पदों पर शीघ्रा लाइन कर्मचारियों की भर्ती करने की मांग की। संगठन ने उन्हें पत्र में अवगत कराया है कि अंबिकापुर में विभागीय अस्पताल शुरू करने का आदेश जारी गए वर्षों बीत रहे हैं किन्तु आज तक डॉक्टर एवं मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति नहीं हुई है। इससे कर्मचारियों को ओपीडी चिकित्सा, रेफ़रल, बिल सत्यापन एवं स्वीकृति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जनता यूनियन ने सुलभता और त्वरित कार्य सम्पादन की दृष्टि से ट्रांसमिशन के अधीन संचालित एम.आर.टी. सम्भाग को बिश्रामपुर से अम्बिकापुर स्थानांतरित करने तथा ट्रांसमिशन कम्पनी में सभी कर्मचारी कैडर का पैनल डिस्ट्रीब्यूशन की तर्ज पर बनाने एवं समुचित लाभ देने की मांग की है। एम डी शुक्ला जी ने मागों पर गौर करने का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है प्रबन्ध निदेशक आर के शुक्ला तीन दिवसीय सरगुजा प्रवास पर 13 सितम्बर को अम्बिकापुर पधारे। दो दिवसीय सघन दौरे में उन्होंने उपकेंद्र काराबेल बतौली, राजपुर, बलरामपुर तातापानी, प्रतापपुर और अम्बिकापुर का अवलोकन किया तथा राजपुर एवं बलरामपुर उपकेंद्र में स्थापित 40-40 मेगावाट के 2 अतिरिक्त पावर ट्रांसफॉर्मर को चालू कराया। जनता यूनियन ने अनवरत विद्युत आपूर्ति की दिशा में उनकी पहल के लिए आभार जताया। जनता यूनियन के प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय उपाध्यक्ष जे पी पटेल एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष यतींद्र गुप्ता के साथ प्रांतीय सदस्य हनीफ खान, सचिव आर के राजपूत, कोषाध्यक्ष आशीष हीरा, डिविजनल अध्यक्ष एच एल पटेल, पूर्णानंद यादव, चंद्रकांत जायसवाल, हिमांशु सिंह, सुमित सिंह आदि शामिल रहे।

तेज रफ्तार ट्रक 33 हजार केवी विद्युत पोल से टकरा खेत में पलटी, घण्टे भर बाधित रहा आवागमन

- संवाददाता -
लखनपुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित लखनपुर थाना क्षेत्र के चूल्हट नाला मोड़ के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित ट्रक साइन बोर्ड को तोड़ते हुए 33 हजार केवी विद्युत पोल को ठोकर मारते हुए खेत में जा पलटी। दुर्घटना में चालक बाल-बाल बच गया। मार्ग पर आवागमन करीब एक घण्टे तक बाधित रहा।

जानकारी अनुसार ट्रक क्रमांक NL 01AA 4916 का चालक झारखंड रांची से महाराष्ट्र पुणे जा रहा था। ट्रक लखनपुर मार्ग में रविवार की सुबह 07 बजे जैसे ही नेशनल हाईवे 130 स्थित चूल्हट नाला मोड़ के पास पहुंचा, ट्रक चालक को नींद की झपकी आ गई। तेज रफ्तार आनियंत्रक ट्रक साइन बोर्ड को तोड़ते हुए विपरीत दिशा में 33 हजार केवी विद्युत पोल को ठोकर मारते हुए खेत में पलट गई। राहगीरों ने ट्रक का शीशा तोड़कर चालक को बाहर निकाला। 33 हजार केवी विद्युत प्रवाहित तार के नीचे लगे जाली के सड़क पर गिरने से मार्ग के दोनों और वाहनों की लंबी का कतार लग गई। लगभग 1 घंटे आवागमन बाधित रहा। सूचना पर डायल 112 की टीम और विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सड़क पर बिखरी 33 हजारर केवी विद्युत प्रवाहित जाली को काटकर हटाया गया और आवागमन बहाल किया गया।

उफनती नदी पार करने के दौरान बह गए चाचा-भतीजा, शिक्षक की पड़ी नजर तो मचाया शोर,पहुंचे गोताखोर

» दिनभर हुई तेज बारिश के कारण उफान पर थी सासु नदी, काम से लौटने के दौरान दोनों पार कर रहे थे नदी, अचानक तेज धार दोनों को बहाकर ले गई

- संवाददाता -
राजपुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बारिश के इस सीजन में बलरामपुर जिले के विभिन्न इलाकों में नदी पार करते समय ग्रामीणों के बह जाने की करीब आधा दर्जन घटनाएं हो चुकी हैं। इसी बीच जिले के पस्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत उफनती सासु नदी पार करते समय रविवार की दोपहर चाचा-भतीजा भी बह गए। नदी के पास ही मौजूद एक शिक्षक की नजर जब उनपर पड़ी तो उसने शोर मचाया। सूचना पर पुलिस व गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और उनकी खोजबीन शुरु की। शाम तक उनका पता नहीं चल सका था। घटना के संबंध में पस्ता थाना प्रभारी विमलेश सिंह ने बताया कि ग्राम चिलमा के राइस टोंगरी निवासी पहाड़ी कोरवा 55 वर्षीय लाल साय व उसका भतीजा प्रभू रविवार की सुबह किसी काम से ग्राम पस्ता आए थे। काम खत्म होने के बाद दोनों पैदल घर लौट रहे थे। इस दौरान रास्ते में पडऩे वाले सासु नदी के पास दोपहर करीब 1 बजे पहुंचे। दोनों नदी पार करने लगे, इसी बीच पानी की तेज धार में दोनों बह गए। बताया जा रहा है कि रविवार को क्षेत्र में दिनभर हुई बारिश की वजह से सासु नदी उफान पर है।

शिक्षक ने बहते देख दी सूचना

घटना के दौरान नदी में मछली पकड़ रहे एक शिक्षक नजर अचानक उनपर पड़ी तो उसने शोर मचाया। फिर उसने गांव पहुंचकर लोगों को इसकी वहीं सूचना पर पस्ता पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की टीम बुलाकर नदी में उनकी तलाश शुरु कराई। शाम 6.30 बजे तक दोनों का पता नहीं चल सका था। पुलिस द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

संभागीय ट्रक मालिक संघ के अविनाश जायसवाल सर्वसमिति से अध्यक्ष मनोनित

» संघ के प्रथम बैठक में हुई कई मुद्दों पर चर्चा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा ट्रक मालिक संघ की प्रथम बैठक रविवार को अंबिकापुर के एक होटल में आयोजित की गई। बैठक में सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर के ट्रक मालिकों ने भाग लिया। बैठक में ट्रक मालिकों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए समस्या के निराकरण के लिए जल्द से जल्द उचित समाधान निकालना की चर्चा हुई। बैठक में संभागीय ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष के रूप में अविनाश जायसवाल को सर्वसमिति से चुना गया। वरिष्ठ ट्रक मालिक सुरेश साहू ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार से ट्रक मालिकों का शोषण हो रहा है उससे ट्रक मालिक काफी परेशान है। डीजल के रेट में लगातार वृद्धि और भाड़ा में कमी होने के कारण उनके सामने रोजी रोटी की समस्या आ गई है। सुरेश साहू ने कहा कि आने वाले समय में अगर ट्रक मालिक एक जुट नहीं होते हैं तो कई गंभीर समस्याएं उनके सामने आ सकती है, इसी के मद्देनजर नजर अब ट्रक मालिकों को एक होना पड़ेगा। संभागीय ट्रक मालिक संघ का मुख्य उद्देश्य ट्रक मालिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उसे दूर करना है।

बैठक में सईद खान ने ट्रक मालिकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरू से ही अवैध वसूली की प्रमुख समस्या रही है। प्रशासन के आला अधिकारियों से मिलकर उन्हें इससे अवगत कराया जाए। बैठक में चिनू खान, मुन्ना मिस्त्री, सुरेश गोयल, नीरज पांडेय, शकिल अहमद, अमिन सिद्दीकी, सचिन, सोनू साहू, हसीब राजू सहित काफी संख्या में ट्रक मालिक उपस्थित रहे।

अपने तीसरे विमानवाहक पोत पर स्टेल्थ फाइटर जेट का परीक्षण कर रहा चीन,स्वदेशी रूप से किया गया विकसित

बीजिंग,15 सितम्बर 2024। चीन अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' पर तैनात करने के लिए जे-35 नामक एक नए स्टेल्थ लड़ाकू विमान का परीक्षण कर रहा है। यह विमानवाहक पोत अन्य दो पोतों की तुलना में एक अलग प्रकार की तकनीक से लैस है। फुजियान में इलेक्टोमैग्नेटिक कैटापल्ट प्रणाली है।

ग्लोबल टाइम्स ने सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के हवाले से बताया कि जे-35 का परीक्षण पहले इस साल चीनी की पीपुल्स लिबरेश आर्मी (पीएलए) नौसेना के पहले विमानवाहक पोत लियाओनिंग पर किया गया था। यह नया विमान चीन के अगली पीढी का स्टेल्थ लड़ाकू विमान हो सकता है।

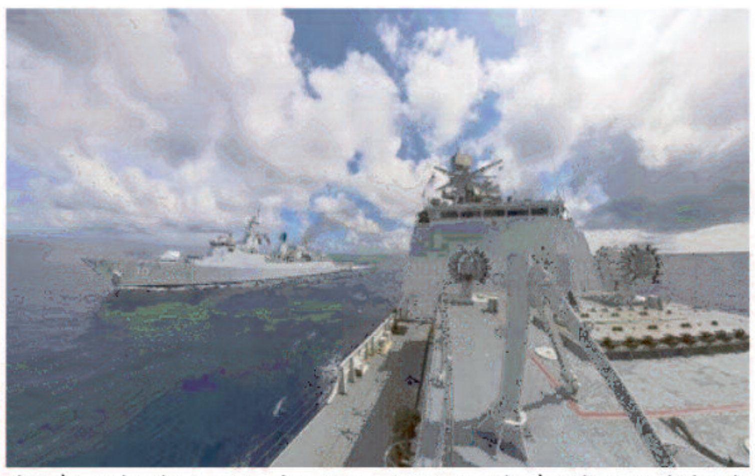

'फुजियान' का वजन 80 हजार टन

चीन के पास वर्तमान में दो विमानवाहक पोत हैं। इनमें सोवियत युग के जहाज 'लियाओनिंग' को पुनर्निर्मित किया गया है तथा 'शांदोंग' स्वदेश निर्मित दूसरा विमानवाहक पोत है जिसे 2019 में सेवा में शामिल किया गया था। इसका तीसरा विमानवाहक पोत 'फुजियान' दोनों पोतों से बड़ा है तथा वर्तमान में इसका परीक्षण किया जा रहा है। इसका वजन 80 हजार टन है। यह पहला पूरी तरह से स्वदेशी रूप से विकसित और निर्मित विमानवाहक पोत है और इसमें अमेरिकी पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड की तरह एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च प्रणाली (ईएमएएलएस) है।

'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' अखबार ने कहा कि जे-35 को 'शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन' द्वारा जे-20 के बाद पांचवीं पीढ़ी के चीन के दूसरे लड़ाकू विमान के रूप में विकसित किया जा रहा है। सिंगापुर के एस. राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के विशेषज्ञ कॉलिन कोह ने कहा, लियाओनिंग विमानवाहक पोत को पीएलए की क्षमताओं की जांच के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अब जे-35 को एक उपयुक्त लड़ाकू विमान के रूप में इसका परीक्षण किया जा रहा है।

बांग्लादेश को 20 करोड़ डॉलर की सहायता मुहैया करेगा अमेरिका,मोहम्मद यूनुस ने मांगी थी मदद

ढाका,15 सितम्बर 2024। बांग्लादेश को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया करेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आर्थिक संबंध प्रभाग के अतिरिक्त सचिव एकेएम शहाबुद्दीन और यूएसएआईडी (यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) के मिशन निदेशक रीड जे. एस्क्लिमन ने अपने-अपने देश की सरकारों की ओर से ढाका में 'द डेवलपमेंट ऑब्जेक्टिव ग्रांट एग्रीमेंट (डीओएजी)' के छठे संशोधन पर हस्ताक्षर किए।

सरकारी स्वामित्व वाली 'बीएसएस' समाचार एजेंसी ने बताया कि समझौते के तहत, यूएसएआईडी सुशासन, सामाजिक, मानवीय और आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश को 20.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान करेगा।

यूएसएआईडी-बांग्लादेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ÷यूएसएआईडी ने विकास संबंधी कार्यों, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और पूरे देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इससे पहले रविवार को, अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने एक उच्च-स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर बांग्लादेश के पुनर्निर्माण, महत्वपूर्ण सुधारों को पूरा करने के संबंध में अमेरिका से सहयोग का आग्रह किया।

इस्लामाबाद से क्वेटा जा रही बस खाई में गिरी, 6 की मौत,24 घायल

इस्लामाबाद,15 सितंबर 2024 । पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में एक यात्री बस खाई में गिर गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि यह घटना प्रांत के झोब जिले के धना सार इलाके में हुई। घटना के बाद, पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शवों और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय स्वयंसेवकों ने भी बचाव कार्य में भाग लिया। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, घायलों में से कई की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब बस ड्राइवर ने मोड़ लेते समय वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। उन्होंने बताया कि बस संघीय राजधानी इस्लामाबाद से प्रांतीय राजधानी क्वेटा जा रही थी।

मालदीव और भारत के बीच सुलझाई गईं गलतफहमियां,द्वीप राष्ट्र के विदेश मंत्री का दावा

माले,15 सितम्बर 2024। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने माना है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती दिनों में मालदीव-भारत संबंधों में खटास आई। लेकिन अब दोनों देशों ने गलतफहमियां सुलझा ली हैं। जमीर ने यह टिप्पणी शुक्रवार को श्रीलंका यात्रा के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। इस दौरान उन्होंने प्रमुख सहयोगियों, खासकर चीन और भारत के साथ द्वीप राष्ट्र के संबंधों के महत्व पर जोर दिया।

जमीर ने कहा कि मुइज्जू के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती दिनों में दोनों देशों के संबंधों में खटाई आई थी। खासकर तब जब राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारतीय सैनिकों मालदीव से हटाने की मांग की थी। जिससे समस्याएं बढ़ गईं थीं। उन्होंने कहा, भारतीय सैनिकों की मालदीव से वापसी के बाद दोनों देशों के बीच गलतफहमियों को दूर कर लिया गया है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार के शुरुआती समय में कुछ समस्याएं थीं। लेकिन अब भारत और चीन दोनों के साथ हमारे अच्छे रिश्ते हैं और दोनों देश मालदीव का समर्थन कर रहे हैं।

राष्ट्रपति मुइज्जू के चीन समर्थक दृष्टिकोण के चलते मालदीव के भारत के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। मुइज्जू ने पद संभालते ही भारत से तीन विमानन प्लेटफॉर्म पर तैनात भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग की थी। बातचीत के बाद भारतीय सैनिकों को नागरिकों से बदल दिया गया था।

इसके अलावा, मालदीव के कुछ मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों से विवाद पैदा हो गया था। हालांकि, मालदीव के विदेश मंत्रालय ने इन टिप्पणियों से अपना पल्ला झाड़ लिया था और इन मंत्रियों को निलंबित किया गया था। मुइज्जू ने अपने पद ग्रहण के बाद नई दिल्ली के बजाय तुर्की और चीन की यात्रा की थी। उन्होंने नौ जून को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए नई दिल्ली का दौरा किया था।

जमीर ने यह भी स्पष्ट किया कि मालदीव अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से किसी भी आर्थिक मदद लेने की योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक समस्याएं अस्थायी हैं और सरकार अपनी आर्थिक समस्याओं का समाधान बगैर आईएमएफ की मदद के करने के लिए आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि सरकार टैक्स प्रणाली में सुधार और सरकारी उपक्रमों में लागत में कटौती के उपायों पर काम कर रही है। उन्होंने चीन और भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की बात की और कहा कि दोनों देशों ने मालदीव का हमेशा समर्थन किया है।

दशकों तक अपने ही घर में सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई पीड़िता

अब दुनियाभर में महिला अधिकारों की पहचान

पेरिस,15 सितम्बर 2024। फ्रांस में एक महिला दशकों तक अपने ही घर में सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई। अब महिला ने अपने ऊपर हुए अत्याचार के खिलाफ मुखरता से आवाज उठाई है और वह महिला दुनियाभर में महिला अधिकारों की मुखर आवाज बनकर उभरी है। पीड़िता का उसके पति ने ही अन्य लोगों के साथ मिलकर दशकों तक शारीरिक शोषण किया।

पति ने ही किया शोषण

71 वर्षीय गिसेल पेलीकोट को साल 2020 में पता चला कि उनके पति ने ही वर्षों तक गोपनीय तरीके से कई अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपी पति गिसेल को बेहोशी की दवाई देकर सुला देता था और फिर कई लोगों के साथ उसका शारीरिक शोषण करता रहा। अब इस खुलासे के बाद गिसेल ने अपने साथ हुए अत्याचार पर चुप रहने के बजाय उसके खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया। गिसेल ने अपने पति से तलाक ले लिया है और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुकदमा दायर किया है।

बड़ी संख्या में लोग गिसेल के समर्थन में उतरे

अदालत में महिला का पक्ष रख रहे वकील का कहना है कि महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले लोगों को शर्मिंदा होने की जरूरत है न कि पीड़िता को। वकील ने कहा कि शर्म को अपना पक्ष बदलना चाहिए। अब गिसेल पेलीकोट की लड़ाई का नारा भी ये बन गया है कि शर्म को अपना पक्ष बदलना चाहिए। बड़ी संख्या में आम लोग गिसेल का समर्थन कर रहे हैं और उनकी जीवटता की तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि गिसेल उन महिलाओं, बच्चों और पुरुषों की आवाज उठा रही हैं, जिन्होंने भी दुर्व्यवहार झेला है। गिसेल का कहना है कि वह अंत तक इस लड़ाई को लड़ेंगी।

जर्मनी से फ्रांस शिफ्ट हुआ था परिवार

गिसेल पेलीकोट का जन्म 1952 को जर्मनी में हुआ था और जब वह पांच साल की थी, तभी वह अपने परिवार के साथ फ्रांस आ गई थी। गिसेल साल 1971 में अपने पूर्व पति डोमिनिक पेलीकोट से मिलीं। गिसेल को अपने साथ हुई ज्यादती का शायद पता भी नहीं चलता अगर साल 2020 में पुलिस ने डोमिनिक पेलीकोट को महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करते हुए न पकड़ा होता। फिलहाल मुकदमा चल रहा है और पूरी दुनिया में महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ने वाले लोगों की निगाहें इस मुकदमे पर लगी हैं।

इमरान खान ने याह्या खान के दौर से की सरकार की तुलना, कहा-शहबाज शरीफ को PM कहने का कोई मतलब नहीं

इस्लामाबाद,15 सितम्बर 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मौजूदा सरकार और देश की संस्थाओं की आलोचना की है। उन्होंने मौजूदा हालात की तुलना सैन्य शासक याह्या खान के दौरे से की और आरोप लगाया कि देश की संस्थाओं को तबाह किया जा रहा है।

देश की संस्थाओं को तबाह कर रहा याह्या खान पार्ट-2

इमरान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की भी आलोचना की और मौजूदा सरकार को याह्या खान पार्ट-2 करार दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷देश एक बार फिर याह्या खान के शासन को महसूस कर रहा है। याह्या खान ने देश की सबसे बड़ी सियासी पार्टी के खिलाफ ऑपरेशन चलाया था। यह याह्या खान पार्ट-2 वहीं कर रहा है और देश की संस्थाओं को नष्ट कर रहा है।

फैसला सुनाने वाले जज को दी करोड़ों की जमीन

पीटीआई के संस्थापक ने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार जजों को गलत फैसले लेने पर मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा, याह्या खान पार्ट-2 की सरकार ने जज हुमायूं दिलावर को करोड़ों रुपये की जमीन और अवैध अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दी, जिससे मेरे खिलाफ फैसला सुनाया गया। याह्या खान पाकिस्तान के तीसरे राष्ट्रपति थे और उनके शासन के दौरान पूर्व पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) ने आजादी हासिल की थी। उन्होंने चुनाव के नतीजों को स्वीकार नहीं किया था, जिससे देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए था और 1971 का युद्ध हुआ था।

शहबाज को प्रधानमंत्री कहने का कोई मतलब नहीं

उन्होंने मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर भी निशाना साधा। इमरान खान ने कहा, शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री कहने का कोई मतलब नहीं है। वे केवल एक मोहरे हैं, जिनके फैसले प्रतिष्ठान की मंजूरी पर निर्भर हैं। हगो सकता है कि इस मोहरे को कल जबरन गायब कर दिया जाए।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को लेकर साधा निशाना

इसके साथ ही, इमरान ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, सिंगापुर कराची से भी कम आबादी वाला देश है और पाकिस्तान से ज्यादा निवेश आकर्षित कर रहा है। सिंगापुर में निवेशक अरबों डॉलर ला रहे हैं। जबकि पाकिस्तान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, उसका विदेशी निवेश अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। निवेश केवल उन्हीं देशों में होते हैं, जहां कानून का राज हो।

रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं इमरान खान

क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान फिलहाल रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। जेल में रहते हुए भी वे अपने सोशल मीडिया खाते पर नियमित रूप से संदेश पोस्ट कर रहे हैं, जो अक्सर विवाद का कारण बन जाते हैं। पीटीआई ने हाल ही में एक विशाल रैली का आयोजन किया था और इमरान की रिहाई की मांग की थी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि उनके नेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई और उन पर गोलीबारी भी की गई।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की निंदा की

इसके अलावा, इमरान खान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की गिरफ्तारी की भी निंदा की और कहा कि यह स्थिति बेहद भयावह है। उन्होंने यह भी कहा, जब भी सिकंदर सुल्तान राजा (मुख्य चुनाव आयुक्त) गेंदबाजी करते हैं, काजी फैज ईसा (पाकिस्तान के चीफ जस्टिस) स्लिप में होते हैं, जबकि आमिर फारूक (इस्लामाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस) दूसरे स्लिप में होते हैं। यह एक फिक्स मैच है और इसके सभी पात्र बेईमान हैं।

गाजा पर इजरायली हवाई हमलों में 21 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा ,15 सितंबर 2024। गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि एक इजरायली युद्धक विमान ने गाजा शहर के पूर्व में अल-तुफ्फाह इलाके में एक आवासीय घर पर मिसाइल से हमला किया।

फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित 10 फिलिस्तीनी मारे गए। फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा ने एक प्रेस बयान में कहा कि गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में एक स्कूल के पास इजरायली हवाई हमले में कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए।

स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के लिए बने एक तंबू पर इजरायली गोलाबारी में छह अन्य लोग मारे गए। हालांकि, इजरायली सेना ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

बता दें कि हमास ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से अचानक हमला किया था जिसमें 1200 से ज्यादा लोग मारे गए थे और लगभग 250 नागरिकों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए जो अभी तक जारी हैं।

इंग्लिश चैनल पार करते वक्त नाव पलटने से आठ लोगों की मौत; फ्रांस से ब्रिटेन में घुसने की कर रहे थे कोशिश

फ्रांस,15 सितम्बर 2024। उत्तरी फ्रांस से ब्रिटेन में घुसने की कोशिश करते समय इंग्लिश चैनल पार करते वक्त नाव पलटने से आठ लोगों की मौत हो गई। फ्रांसीसी अधिकारियों के मुताबिक जानकारी मिलने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। जबकि हादसे में बचे लोगों को फ्रांस के एम्बलेट्यूज के खेल हॉल में रखा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि दो सप्ताह पहले भी प्रवासियों को उत्तरी फ्रांस से लेकर ब्रिटेन जा रही एक नाव इंग्लिश चैनल में पलट गई थी। इस हादसे में नाव सवार 13 लोगों की मौत हो गई थी। चैनल के अधिकारियों ने बताया कि फ्रांसीसी तटरक्षक और नौसेना के जहाजों ने पास-डी कैलाइस क्षेत्र से 200 लोगों को बचाया है। शनिवार को फ्रांस से 18 बार ब्रिटेन के लिए नावें रवाना हुईं।

अधिकारियों का कहना है कि इस साल फ्रांस से ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए इंग्लिश चैनल पार करने के प्रयास में 43 प्रवासियों की मौत हो चुकी है। जबकि कई लापता हो गए हैं। इससे पहले जुलाई में नाव पलटने से चार, अप्रैल में एक बच्चे समेत पांच और जनवरी में पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म करने के मामले मे सरगुजा पुलिस की सख्त कार्यवाही जारी,मामले का आरोपी किया गया गिरफ्तार

» **थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे की गई कार्यवाही**

» **महिला सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों के विरुद्ध सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही**

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा महिला सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सखूती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया दिनांक 16/08/24 कों थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि पिड़िता की जानपहचान सोशल मीडिया के जरिये रायगढ़ निवासी घनश्याम महंत से हुआ था कि घटना दिनांक 22/09/18 कों आरोपी घनश्याम महंत पिड़िता कों अपने किराये के रूम में ले जाकर शादी करने का झांसा देते हुए जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, घटना दिनांक के पश्चात भी आरोपी द्वारा लगातार पिड़िता के साथ दिनांक 05/11/22 तक जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया गया हैं, और अब आरोपी पिड़िता से शादी करने से इंकार कर रहा हैं, मामले मे प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 483/24 धारा 376 (2) (ढ) भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश कर आरोपी के गिरफ़्तारी हेतु पुलिस टीम कों रायगढ़ रवाना किया गया था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपना नाम घनश्याम महंत उम्र 31 वर्ष साकिन कटईपाली थाना छाल जिला रायगढ़ का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपराध घटित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीगार निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, महिला आरक्षक त्रिलोचनी राजवाड़े, आरक्षक देवेंद्र पाठक, अनिल सिंह परिहार शामिल रहे।

भारतीय संस्कृति की विरासत हैं ये 10 ऐतिहासिक स्थल

एक बार जरूर बनाएं घूमने का प्लान

घूमना-फिरना किसे पसंद नहीं होता। अगर आप भी घूमने के शौकीन हैं तो आपको भारत के कुछ खास ऐतिहासिक स्थलों को जरूर देखना चाहिए। इनकी वास्तुकला और बनावट की मिसाल सालों से पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहे हैं। ये स्थल भारत के गौरवशाली इतिहास की कहानी बयां करते हैं जहां आपको एक बार तो जरूर जाना चाहिए। भारत, अपनी समृद्ध संस्कृति और इतिहास के लिए जाना जाता है, जो इसके कई ऐतिहासिक स्मारकों में रिफ्लेक्ट होता है। ये स्मारक भारत के गौरवशाली अतीत की कहानियां सुनाते हैं और अब आधुनिक समय में भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इस आर्टिकल में, हम भारत के 10 सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारकों पर एक नजर डालेंगे, जहां आपको एक बार तो जरूर जाना चाहिए, ताकि आप यहां की संस्कृति और वास्तुकला का अनूठा नमूना देख सकें।

ताजमहल, आगरा

ताजमहल, भारत के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है और इसे दुनिया के सात अजूबों में से एक के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। इसे मुगल सम्राट शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया गया था। इसकी सफेद संगमरमर का आकर्षक डिजाइन और नक्काशी दुनिया भर में मशहूर है, जिसे देखने दुनिया के हर कोने से पर्यटक आते हैं।

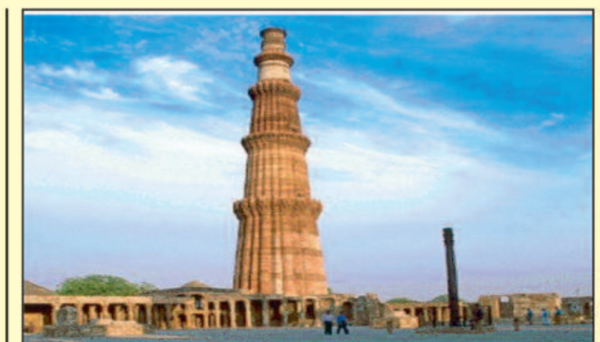

कुतुब मीनार, दिल्ली

कुतुब मीनार दिल्ली में स्थित एक 5-मंजिला लाल बलुआ पत्थर की मीनार है। इसे 12वीं शताब्दी में कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनवाया गया था और इसे दुनिया की सबसे ऊंची मीनार के रूप में जाना जाता था। यह दिल्ली के सबसे पुराने स्मारकों में से एक है और इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी घोषित किया गया है। दिल्ली में यह महरौली में स्थित है, जो पर्यटकों को सालों से आकर्षित करता आया है।

महाबोधि मंदिर, बोधगया

महाबोधि मंदिर, बिहार के बोधगया में स्थित है और यह वो स्थान माना जाता है, जहां बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था। इस वजह से यह एक महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थल है और इसका प्राचीन स्तूप, जो बुद्ध की प्रथम ज्ञान प्राप्ति का चिह्न है, दुनिया भर से बौद्ध भक्तों को आकर्षित करता है।

हम्पी, कर्नाटक

हम्पी, कर्नाटक में स्थित एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और यह विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। यहां के खंडहर, मंदिर, महल और अन्य संरचनाएं भारत के मध्यकालीन इतिहास की झलक पेश करते हैं। हम्पी में विजयनगर साम्राज्य की वास्तुकला और संस्कृति का अनुभव लेने के लिए उत्तम जगह है।

लाल किला, दिल्ली

लाल किला, दिल्ली में स्थित एक विशाल किला है और यह मुगल साम्राज्य के शासकों का निवास स्थान था। लाल किला की दीवारें लाल बलुआ पत्थर से बनी हैं और इस किले के अलग-अलग भागों की संरचनाएं देखने लायक हैं। यहां एक संग्रहालय भी है, जहां आप भारत की आजादी के लिए लड़ी गई लड़ाई की एक झलक देख सकते हैं।

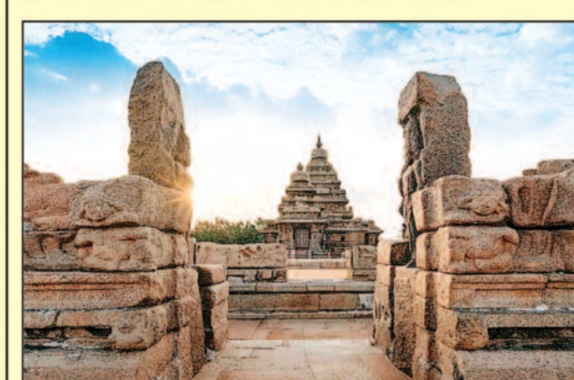

महाबलिपुरम, तमिलनाडु

महाबलिपुरम, तमिलनाडु में स्थित एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और यह पल्लव साम्राज्य का एक प्रमुख बंदरगाह था। यहां के रथ मंदिर, गुफा मंदिर और समुद्र तट मंदिर भारत की दक्षिण भारतीय वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। महाबलिपुरम समुद्र तट पर सूर्यास्त देखना कभी न भूलाने वाला अनुभव है।

विक्रमशिला विश्वविद्यालय, बिहार

विक्रमशिला विश्वविद्यालय, बिहार में स्थित एक प्राचीन विश्वविद्यालय था और यह भारत के सबसे मशहूर शिक्षण संस्थानों में से एक था। इस विश्वविद्यालय के खंडहर आज भी मौजूद हैं और वे भारत के प्राचीन शिक्षा प्रणाली की झलक पेश करते हैं। भारत के इतिहास और शिक्षा के बारे में जानने के लिए आपको एक बार यहां जरूर जाना चाहिए।

कोणार्क सूर्य मंदिर,ओडिशा

कोणार्क सूर्य मंदिर, ओडिशा में स्थित एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और यह एक विशाल रथ के रूप में बनाया गया है। यह मंदिर सूर्य देव को समर्पित है और इसकी नक्काशी और शिल्पकला अपने आप में बेहद अनूठा है। भारत की प्राचीन वास्तुकला और संस्कृति का अनुभव लेने के लिए कोणार्क सूर्य मंदिर सबसे बेस्ट जगह है।

गोलकुंडा किला, हैदराबाद

गोलकुंडा किला, हैदराबाद में स्थित एक विशाल किला है और यह कुतुब शाही वंश का निवास स्थान था। इस किले की दीवारें बहुत मजबूत हैं। गोलकुंडा किला का भ्रमण हैदराबाद के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानने का एक शानदार अवसर हो सकता है। इसलिए आपको यहां जरूर जाना चाहिए।

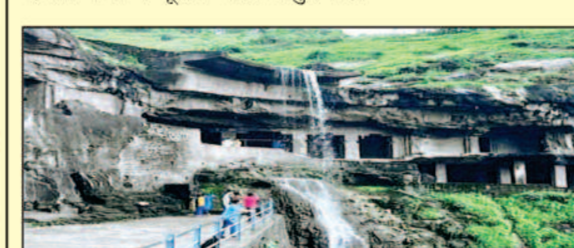

अजंता और एलोरा गुफाएं,महाराष्ट्र

अजंता और एलोरा गुफाएं, महाराष्ट्र में स्थित दो प्रमुख गुफा मंदिर हैं। अजंता गुफाएं बुद्ध धर्म से संबंधित हैं और उनकी भित्तिचित्र कला अद्भुत है। एलोरा गुफाएं हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म से संबंधित हैं और उनकी शिल्प कला भी अद्वितीय है। भित्तिचित्र कला के अनूठे नमूने देखने के लिए आपको यहां जरूर जाना चाहिए। भारत के समृद्ध इतिहास के बारे में गहराई से जानने के लिए आपको इन जगहों पर एक बार जरूर जाना चाहिए। वैसे ये लिस्ट यहीं खत्म नहीं होती है। भारत में ऐसे और भी कई अनोखे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल हैं, जिनकी वास्तुकला, नक्काशी और बनावट देखकर आप हैरान रह जाएंगे।

बर्तन साफ करने वाले डिटर्जेंट से हो सकता है आपकी जान को खतरा,इस्तेमाल करने से पहले जानें इसके नुकसान

इन दिनों लोग अपनी लाइफ में इतने बिजी हो गए है कि वो हर चीज इतनी जल्दी जल्दी करते है कि उनके पास किसी और चीज के लिए टाइम ही नहीं है। वहीं इन सब चीजों से कितनी दिक्कत हो सकती है। बर्तन तो सभी अपने घरों में धोते ही है। शायद ही ऐसा कोई होगा जो कि बर्तन नहीं धोता होगा। लेकिन क्या आप जानते है कि बर्तन धोने वाले साबुन से भी आपको कैंसर हो सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप जल्दबाजी में बर्तन धोते है, तो आपको खाना खाने से पहले थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि अगर बर्तन में गलती से भी डिटर्जेंट चिपका रहे तो इससे आपको कैंसर होने का खतरा हो सकता है। आइए आपको बताते है कि यह क्यों होता है।

कपड़े के लिए डिटर्जेंट कितना खतरनाक

अगर कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट की बात करें तो उससे कैंसर होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है। वहीं काफी ज्यादातर लोग कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट में काफी तरह के केमिकल होते हैं। जो अगर गलती से आपके अंदर चला जाए, तो काफी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। वहीं जो कपडों पर डिटर्जेंट से कैंसर होने का जो जोखिम होता है, वो काफी कम माना जाता है। वहीं काफी सारे डिटर्जेंट में सर्फेक्टेंट, एंजाइम और सुंगध होते हैं। वहीं इनमें से कुछ केमिकल जो होते है उनसे त्वचा में जलन, एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

बर्तन वाले डिटर्जेंट ज्यादा खतरनाक

अगर आपके बर्तन में डिटर्जेंट चिपका हुआ है और अगर आप उसी में खाना बनाते हैं, तो वो कैंसर, लिवर, और आंत के लिए काफी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है. इसके साथ ही इससे खून के व्हाइट ब्लड सेल को कमजोर करने के साथ -साथ काफी सारी बीमारियां भी आ जाती है।

इन बातों का रखें ख्याल

एक्सपर्ट के मुताबिक बर्तन धोते टाइम आप सावधानी का काफी ज्यादा ध्यान रखें। वरना इससे कैंसर जैसी दिक्कत हो सकती है। वहीं अगर आप डिटर्जेंट वाले बर्तन का इस्तेमाल करते हैं, तो वह हमारे शरीर में चला जाता है. जिसके कारण लिवर और कैंसर का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

अनंत चतुर्दशी पर भगवान विष्णु को लगाएं गन्ने के रस की खीर का भोग,नोट करें आसान रेसिपी

नई दिल्ली। अनंत चतुर्दशी के दिन भक्त सच्चे मन से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं और उनसे आशीर्वाद मांगते हैं। मान्यता है कि इस दिन की गई पूजा से सुख, समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह दिन न केवल भगवान विष्णु की पूजा के लिए बल्कि गणेश उत्सव का समापन और गणेश जी का विसर्जन करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। आइए इस खास मौके पर हम आपके लिए श्रीहरि की पसंदीदा खीर की रेसिपी लेकर आए हैं। यहां बताई आसान विधि से आप लक्ष्मी-नारायण जी को गन्ने के रस की खीर का भोग लगा सकते हैं।

गन्ने के रस की खीर बनाने के लिए सामग्री

गन्ने का रस - 2 कप, दूध - 2 कप, चावल - 1/4 कप (बासमती चावल), इलायची पाउडर - 1/4 चम्मच, केसर - कुछ धागे, बादाम और काजू - कटे हुए (गार्निश के लिए)।

गन्ने के रस की खीर बनाने की विधि

गन्ने के रस की खीर बनाने के लिए सबसे पहले चावल को अच्छी तरह धोकर कम से कम 30 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद एक पैन में दूध डालकर मध्यम आंच पर उबाल लें। फिर जब दूध उबलने लगे तो इसमें भिगोए हुए चावल डाल दें। अब चावल के पकने के बाद इसमें गन्ने का रस डाल दें। जब खीर गाढ़ी होने लगे तो इसमें इलायची पाउडर और केसर डालकर मिलाएं। बस फिर तैयार है गन्ने के रस से बनी खीर। खीर को थोड़ी देर ठंडा होने दें और फिर भगवान विष्णु को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में ग्रहण करें।

मोटे अनाज से बना बर्गर,पिज्जा भी आपको दे सकता है खतरनाक बीमारी

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारी जिंदगी में शामिल हो गया पता ही नहीं चला, आज के समय में बर्गर,पिज्जा सभी के पसंदीदा फूड्स में हो गये हैं। ज्यादातर लोगों को भूख लगती हैं तो वे लोग बर्गर या पिज्जा खाते हैं। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे बर्गर,पिज्जा फूड से जुड़ी स्वास्थ्य जानकारी के बारे में,जिसे जानकर आप हैरान हो जाएंगे। अब मोटे अनाज से फास्ट फूड जैसे पिज्जा,बर्गर,पास्ता कई प्रकार के व्यजंन बनने लगे हैं, जिसे युवा विशेष रूप से पसंद करते हैं। इसके अलावा लोग विशेषकर मोटे अनाज से बने कुकीज,टिक्की,सुबह का नाश्ता,मिलेट्स की खीर,ज्वार का पराठा,फ्राइड इडली आदि बनाकर खा रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, दाल,चावल गेहू से बने बर्गर,पिज्जा में कई अस्वास्थ्य वसा पाया जाता है जो स्वास्थ्य के लिए काफी नुकसानदायक है।

मोटे अनाज से बने बर्गर, पिज्जा के नुकसान

1. मोटे अनाज से बने बर्गर, पिज्जा में फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को परेशान कर सकती है और पेट दर्द, गैस, और दस्त जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है।

2. एलर्जी की समस्या कुछ लोग मोटे अनाज से बने बर्गर, पिज्जा में मौजूद कुछ तत्वों से एलर्जी हो सकते हैं, जैसे कि ग्लूटेन, जो सीलिएक रोग या ग्लूटेन संवेदनशीलता का कारण बन सकता है।

4. वजन बढ़ना मोटे अनाज से बने बर्गर,पिज्जा में कैलोरी की मात्रा अधिक हो सकती है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकती है अगर इसका सेवन संतुलित नहीं किया जाता है।

5. बीपी का स्तर बढ़ना मोटे अनाज से बने बर्गर, पिज्जा में मौजूद कार्बोहाइड्रेट बीपी के स्तर को बढ़ा सकते हैं, जो मधुमेह रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है।

6. पोषक तत्वों की कमी मोटे अनाज से बने बर्गर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जैसे कि प्रोटीन, विटामिन,और मिनरल्स,जो शरीर के लिए आवश्यक हैं।

शिवप्रसादनगर का असफाक और सूरजपुर का संजीत

निवेशकों का करोड़ रुपए लेकर फरार

पुलिस को शिकायत का इंतजार

अपनी मेहनत का लाखों करोड़ों गंवाकर भी शिकायत से घबरा रहे निवेशक जिसका लाभ असफाक व संजीत को

पैसा लेकर फरार होने वाला मस्त और जिनका पैसा गया वह त्रस्त वहीं पुलिस शिकायत के बिना मजबूर

असफाक के निवेशकों ने मानपुर चौक पर स्थित होटल में की बैठक तो वही संजीत के निवेशकों ने शिव पार्क में राखी बैठक

संजीत ने शेयर मार्केट के बहाने लोगों को ठगा

असफाक उल्लाह ने पैसा दुगुना करने के नाम पर लोगों को ठगा और वह पैसा कैसे दुगुना करेगा यह उसने नहीं बताया या बताया भी तो निवेशकों की तरफ से अभी तक यह बात सामने नहीं आई लेकिन संजीत ने लोगों से पैसा शेयर मार्केट में लगाने के नाम पर लिया और दुगुना ही वापस करने का वादा किया। जब तक नए नए निवेशक आते रहे कारोबार ठगी का चलता रहा जैसे ही निवेशक कम हुए संजीत भी फरार हो गया। कुल मिलाकर देखा जाए तो अब तक सूरजपुर जिले के दो ठगों ने मिलकर कई सौ करोड़ का चूना लोगों को लगा दिया है जैसा सूत्रों का कहना है।

-रवि सिंह-
सूरजपुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ठगने वाले तब तक ठगते रहेंगे जब तक अधिक कमाने की लालसा लोगों में खत्म नहीं होगी, अधिक कमाने के चक्कर में लोग ठगने वालों को दे रहे हैं मौका और ठगने वाले भी अधिक कमाई का झांसा देकर लोगों को लूट कर चलते बन रहे, अब आप शिकायत कीजिए या फिर सर पटकिए इसी तर्ज पर ठग अपना काम कर रहे हैं। इस समय सूरजपुर जिले से लेकर पूरे सरगुजा संभाग में दो व्यक्तियों ने लोगों को ऐसा ठगा है की लोग भिखारी हो गए हैं अपनी पूरी जमा कमाई तो उन्होंने ठगों को सौंप दिया और अब अपना माथा पीट रहे हैं अफसोस कर रहे हैं, स्थिति यह हो गई है की ठगने वाले को सिर्फ इस बात का लाभ मिल रहा है क्योंकि अपना पैसा पाने वाले को इस बात की संतुष्टि है कि मेरा पैसा निकल जाए बाकियों का भले ही फंसा रहे, इस चक्कर में ना तो उसका निकल रहा है ना किसी का निकल रहा है और पैसा लेकर भागने वाला ठग सिर्फ तारीख पर तारीख ही दे रहा है और लौटने का आश्वासन ही दे रहा है और अब लोगों का सब्र का बांध भी टूट रहा, पर टूट कर भी पुलिस के दरवाजे त क नहीं पहुंच रहा, सरगुजा संभाग में अभी तक सिर्फ सूरजपुर के शिवप्रसादनगर निवासी असफाक का ही नाम काफी चर्चाओं में था पर अब सूरजपुर शहर का एक व्यक्ति और इस समय चर्चा में आ गया है वह नाम है संजीत, जहां असफाक लोगों का करोड़ों रुपए लेकर फरार है वही संजीत भी उन्हीं के नक्शे कदम पर लोगों का करोड़ों रुपए लेकर फरार है, दोनों के ही निवेशक इस इंतजार में हैं कि कब उनके पैसे लेने वाले और दुगुना करने वालों का फोन चालू हो कब उनसे बात हो और कब उनसे मुलाकात हो? पर निवेशकों का संपर्क इन दोनों से टूटा हुआ है, ठगने वाले ने तो 10 तारीख का समय दिया और आया भी और रातों-रात फिर गायब हो गया, यह भी सूत्रों का कहना है कि उसके आने पर लेनदारों कि लंबी कतार लग गई थी, जिससे बचने के लिए उसे भागना पड़ा वही दूसरा शख्स जिसका नाम संजीत बताया जा रहा है वह भी कई महीनो से फरार है और अपने निवेशकों के संपर्क से बाहर है, यह बात हम नहीं कह रहे यह बात इस समय हर के जुबान पर खुद ही चर्चाओं में आ रहा है, इसकी पुष्टि भी दैनिक घटती घटना नहीं करता पर सत्यता के करीब यह बात है जिसे जांच करने वालों को समझनी है।

क्या संजीत व असफाक दोनों के तार एक दूसरे से जुड़े हुए हैं?

सूत्रों की माने तो असफाक उल्लाह की जब पोल दैनिक घटती घटना ने खोलनी शुरू की और असफाक के पास लोग निवेश करने से बचने लगे तब संजीत का नाम सामने आया और संजीत के पास लोग निवेश करने लगे। माना जा रहा है की दोनो के तार आपस में जुड़े हुए हैं। एक तरफ से आवक जब कम हुई और लोग असफाक से बचने लगे संजीत का नाम सामने आया और उसने लोगों का पैसा दुगुना करने का झांसा दिया और लोग उसके झांसे में आने लगे। दोनों आपस में मिले हुए हैं यह भी एक आशंका जाहिर की जा रही है लोगों के द्वारा।

दोनों व्यक्तियों ने खूब ठगा लोगों को

असफाक उल्लाह और संजीत ने सरगुजा संभाग के लोगों को काफी चूना लगाया। चिटफंड का कारोबार उन्होंने ऐसा चलाया की होशियार लोग भी झांसे में आ गए यहां तक की बड़े व्यापारी और अच्छे बड़े अधिकारी कर्मचारी भी झांसे में आए। अब यह अलग बात है की कोई खुद से सामने आकर यह नहीं बताना चाहता की वह कितना नुकसान झेल रहा है या उसका कितना डूब रहा है पैसा लेकिन यह सत्य है की काफी बड़ा घोटाला है लगभग कई सौ करोड़ का गोलमाल है।

आखिर लोगों का पैसा लेकर असफाक व संजीत कहां निवेश करते थे इसका पता क्या कभी चल पाएगा?

असफाक उल्लाह और संजीत लोगों को पैसा दुगुना करने का झांसा दिया करते थे और इसी वजह से उनके पास निवेश करने लोगों की कतार लगती थी। अब सवाल यह उठता है की आखिर वह लोगों का पैसा कहां निवेश करते थे जहां से वह कुछ माह में ही लोगों को दुगुना करने का भरोसा देते थे और लोग भी विश्वास करते थे। क्या यह बात कभी सामने आ पाएगी की वह निवेश कहां करते थे? वैसे जिस तरह से वह फरार हैं और जैसा वह शानो शौकत दिखा चुके हैं उससे साफ जाहिर है की लोगों का पैसा जबतक उनके पास आता रहा उन्होंने काफी ऐश अय्याशी की और धार्मिक यात्राएं की और लोगों की जीवन भर की कमाई को ऐसे ही उड़ा डाला और लोगों को लगता रहा की बस उनका पैसा दुगुना होकर ही मिलेगा। देखा जाए तो लोगों के लालच को दोनों ने भांपा और उसका फायदा उठाया और अपनी जरूरतें पूरी की और अपने उन सपनों को साकार किया जो वह ईमान की कमाई से पूरा नहीं कर सकते थे।

असफाक के निवेशकों की बैठक हुई मानपुर चौक स्थित होटल में

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जहां अशफाक के निवेशकों को जारी वीडियो से उम्मीद थी कि वह 10 तारीख को आएगा और लोगों का पैसा दे जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं, वह आया तो जरूर पर फिर उसी रात फरार भी हो गया, अब फिर से निवेशक उससे संपर्क साधना चाह रहे हैं पर संपर्क नहीं हो रहा है, अब निवेशकों का भी भरोसा डगमगा रहा है, जिसे लेकर सूरजपुर के मानपुर चौक पर स्थित होटल में सभी निवेशकों ने बैठकर चर्चा की, आखिर करना क्या है काफी मंथनों के बाद लोगों ने शिकायत करने की बात तो कहीं पर शिकायत करने कब पहुंचेंगे इसका इंतजार रहेगा।

संजीत के निवेशकों ने शिव पार्क में की बैठक शिकायत करने का लिया निर्णय

सूत्रों का कहना है की संजीत के निवेशक जिसमें कई कर्मचारी सहित व्यापारी शामिल है जिन्होंने शिव पार्क में बैठक रखकर संजीत से पैसा कैसे मिलेगा और किस रणनीति के तहत मिलेगा इसके लिए गहन चिंतन किया, इस पर यह भी चर्चा किया गया कि क्या शिकायत करना उचित रहेगा? क्या शिकायत करने के उपरांत पैसा मिल पाएगा? क्या हम शिकायत करके संजीत पर पैसे देने का दबाव बना पाएंगे और अपना पैसा ले पाएंगे? इन सब चर्चाओं के बीच बैठक खत्म हो गई पर निष्कर्ष शिकायत करने का निकला पर यह भी शिकायत कब पहुंचेगी यह भी सवाल है।

महाविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस

-संवाददाता-
सूरजपुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

14 सितंबर 2024 को शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहार पुर में प्राचार्य के मार्गदर्शन में और सहायक अध्यापक रेड क्रॉस संगठक आईक्यूएसी प्रभारी वाणिज्य विभागाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार जायसवाल की अध्यक्षता और संचालन में हिंदी दिवस को सारगर्भित विचारों के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर सरस्वती गायन के साथ किया गया, तत्पश्चात छात्र-छात्राओं के द्वारा सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया। इसी कड़ी में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धीरेंद्र कुमार जायसवाल के द्वारा छात्र-छात्राओं को आशीष वचन के रूप में हिंदी दिवस क्यों मनाया जाता है के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया और छात्र-छात्राओं को हिंदी अच्छी आनी चाहिए उसके क्या तौर तरीके हैं सही मायने में हिंदी बोलने के लिए उसके कारक मात्रा व्याकरण को साक्षात छात्रों छात्र-छात्राओं से पूछ कर हिंदी दिवस की महत्व को बढ़ाने का प्रयास किया गया। इसी कड़ी में महाविद्यालय के शिक्षक सचिन कुमार मिंस आभा रंजना कुजूर शिखा दुबे प्रियांशु जायसवाल चंद्रदेव राजवाड़े के द्वारा भी के द्वारा भी हिंदी कैसे इतनी लंबी दूरी तय करी उसके इतिहास को बताया गया। इसी कड़ी में छात्र और छात्राओं के द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए।मंच का संचालन अतिथि व्याख्याता पिंटू कुमार के द्वारा संपादित किया गया। कार्यक्रम में अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं और अन्य कर्मचारी अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सूरजपुर में सोनार समाज की हुई बैठक,संतोष सोनी चुने गए नए जिला अध्यक्ष

पुराने कार्यकारिणी हुई भंग कर पदाधिकारियों ने नई कार्यकारिणी किया गठन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 15 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर। शनिवार, 14 सितंबर 2024 को सोनार उत्थान समाज का अंतिम गठन सूरजपुर जिले का पूर्ण हुआ, सरगुजा संभाग के सभी जिले में समाज का गठन है सूरजपुर जिले का गठन ऑडिटोरियम हाल में संपन्न हुआ। इस बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में परशुराम सोनी पूर्व उपाध्यक्ष प्रदेश एवं वर्तमान सरगुजा संभाग प्रभारी उपस्थित थे इस बैठक की अध्यक्षता गोपाल सोनी ने की। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों सीनियर महिला, युवा ने जिला अध्यक्ष के लिए संतोष सोनी (पार्षद) का नाम प्रस्तावित किया। युवा जिला अध्यक्ष के लिए नितेश सोनी का नाम तथा ब्लॉक अध्यक्ष महिला श्रीमती उमा देवी सोनी का नाम प्रभारी के समक्ष प्रस्तावित किया। प्रभारी ने इन सभी तीनों पदाधिकारी को 3 वर्षों के लिए मनोनीत किया है, सरगुजा संभाग के लिए दो प्रमुख सलाहकार संजय सोनी एवं बसंत सोनी को मनोनीत किया गया।

जिला अध्यक्ष, युवा जिला अध्यक्ष व महिला जिला अध्यक्ष, महिला ब्लॉक अध्यक्ष ने अपने कार्यकारिणी की घोषणा किया। जिला उपाध्यक्ष नंदलाल सोनी, जयशंकर सोनी, राजेंद्र सोनी, देवेंद्र सोनी, प्रभु दयाल सोनी, प्रवीण सोनी, अजय सोनी एवं महामंत्री के लिए आनंद सोनी, संतोष सोनी रामानुजनगर, युवा जिला उपाध्यक्ष मनोज सोनी, राकेश सोनी, विकास सोनी, रिंकू सोनी, विनीत सोनी, जिला मंत्री महिला जिला उपाध्यक्ष आकांक्षा सोनी, विभा सोनी, निर्मला सोनी, रीना सोनी, सुनीता सोनी, ब्लॉक अध्यक्ष महिला की कार्यकारिणी ब्लॉक उपाध्यक्ष नीलू सोनी, आशा सोनी, सरिता सोनी, आरती सोनी, महामंत्री इन सभी को 3 वर्षों के लिए कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया। इस कार्यक्रम का संचालन आनंद सोनी ने किया। मनोनीत सभी पदाधिकारी को सरगुजा संभाग प्रभारी, उपस्थित सदस्य ने हार्दिक बधाई देते हुए अपने दायित्व को सफलतापूर्वक संचालन करने हेतु शुभकामनाएं दी।

सरकार की योजनाओं को सभी तक पहुंचाएं: परशुराम

इस दौरान परशुराम सोनी ने अपने उद्बोधन में सभी जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्षों एवं समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं को आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक पहुंच कर समाज के लोगों की मदद करें, गरीब से गरीब तबके की आर्थिक उन्नति हो सके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर लड़की के माता-पिता को प्रेरित कर सुकन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवाएं ताकि लड़की की पढ़ाई एवं शादी के लिए आगे कोई अड़चन न आ सके। बाल विवाह को रोकना है एवं लड़के एवं लड़कियों को शिक्षा अनिवार्य रूप से ग्रेजुएशन करवाने कहा। सोनार उत्थान समाज का गठन पूरे संभाग में पूरा हो चुका है कुछ महत्वाकांक्षी लोग समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं उन्हें इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा। सोनार उत्थान समाज सभी को एक मंच में लाकर एक साथ चलना चाहता है और लेकर चल भी रहे है ऐसे लोगों से समाज के लोगों को सतर्क रहना होगा जो संगठन को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, क्योंकि एकता में ही शक्ति है, समाज को दो भागों में बांटने का प्रयास हो रहा है ताकि समाज एकजुट न हो सके, कड़ी मेहनत के बाद पहली बार समाज एकजुट हुआ है और ऐसे लोगों को अब समाज तोड़ने और बांटने में सहयोग न दें। ऐसे लोगों का बहिष्कार करें जो समाज तोड़ना चाहता है। हम सब एक साथ होकर एक मजबूत मुट्ठी बने। इस बैठक में सरगुजा संभाग के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संतोष सोनी ने कहा कि समाज के लोगों ने जिस उम्मीद और विश्वास से उन्हें दायित्व सौंपा है उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर डॉ सुनील सोनी प्रमुख सलाहकार, रमेश सोनी पटना समाज के वरिष्ठ सलाहकार सरगुजा संभाग, सरिता सोनी महिला संभाग महामंत्री, बसंत सोनी संभाग मंत्री, कृष्णा सोनी सरगुजा जिला अध्यक्ष, महिला जिला अध्यक्ष सरगुजा श्रीमती संजू सोनी, महिला जिला अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती संजू सोनी, युवा जिला अध्यक्ष सरगुजा बृज किशोर सोनी, घनश्याम सोनी ब्लॉक अध्यक्ष, बलभद्र सोनी ओड़गी ब्लॉक अध्यक्ष, राजेश सोनी जिला उपाध्यक्ष सरगुजा ब्लॉक अध्यक्ष लुण्ड्रा, कृष्णा सोनी, विनोद सोनी, राधेश्याम सोनी, अजय सोनी, नंदलाल सोनी, गणेश सोनी, शंकर सोनी, गोपाल सोनी, रमेश सोनी, रधुनंदन सोनी, राजेन्द्र सोनी, मनोज सोनी, अशोक सोनी, ऋषि सोनी ब्ला अध्यक्ष युवा भैयाथान संजय सोनी, निर्मला सोनी, रश्मि सोनी जिला महामंत्री सरगुजा, ममता सोनी सरगुजा संभाग विशेष आमंत्रित सदस्य महिला, गिरजा सोनी ब्लॉक अध्यक्ष महिला प्रेमनगर-श्रीनगर, सुनीता सोनी, आकांक्षा सोनी, गायत्री सोनी ब्लॉक अध्यक्ष पटना, संतोष सोनी, राधा सोनी, शंकर प्रसाद सोनी, अर्जुन सोनी, बृजमोहन प्रसाद सोनी, राजेंद्र प्रसाद सोनी, शारदा प्रसाद सोनी, लक्ष्मण सोनी, जनकु प्रसाद सोनी, मनोज सोनी, अनिल सोनी, विमलेश सोनी, संजय सोनी, राकेश सोनी, सुकुल सोनी, संदीप सोनी, प्रदीप सोनी, राजेश सोनी, देवेंद्र सोनी, संजय सोनी, आनंद सोनी, प्रभु दयाल सोनी, उदय कुमार सोनी, प्रीतम सोनी, अनूप सोनी, मुन्ना प्रसाद सोनी, मनोज प्रसाद सोनी, विजय सोनी, राजकुमार सोनी, अशोक सोनी, मनोज कुमार सोनी, संजय सोनी, ऋषि सोनी, शनि सोनी, दीपक सोनी, धनंजय सोनी, अमित सोनी, राहुल सोनी, कन्हैया प्रसाद सोनी, चंदन प्रसाद सोनी, हिमांशु सोनी, मनीष सोनी, रितेश सोनी, अजय सोनी, राजेश सोनी, अनूप सोनी, सुजीत सोनी, सरिता सोनी, आशा सोनी, रीना सोनी, निर्मला सोनी, राधा सोनी, जयशंकर सोनी, ओम प्रकाश सोनी, मनोहर सोनी, शंभू सोनी सहित सूरजपुर जिले से समाज के सीनियर महिला युवा सैकड़ो की संख्या में उपस्थित थे।

CMYK

भारत पहुंची बांग्लादेश क्रिकेट टीम

19 सितम्बर 2024 को चेन्नई में होगा पहला मुकाबला

नई दिल्ली, 15 सितम्बर 2024। बांग्लादेश की टीम ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार टेस्ट सीरीज जीती। इस सीरीज में बांग्लादेश के लिए गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। अब बांग्लादेशी टीम को भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पाकिस्तान से जीतने के बाद उनके हौसले बुलंद हैं। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मैच चेन्नई के चेपॉक मैदान पर 19 सितंबर से खेला जाएगा। जहां की पिच स्पिनर्स की मददगार होती है। बांग्लादेश की टीम शुरुआती टेस्ट के लिए रविवार दोपहर को चेन्नई पहुंची।

ढाका से चेन्नई के लिए उड़ान भरने से पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शान्तो ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण सीरीज होगी। एक अच्छी सीरीज (बनाम पाकिस्तान) के बाद निश्चित रूप से टीम और देश के लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हर सीरीज एक अवसर है। हम दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे। रैंकिंग में उनकी टीम हमसे काफी आगे है लेकिन हमने हाल ही में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारी सीरीज अच्छी रही है। हमारा लक्ष्य पांच दिनों तक अच्छा खेलना होगा।

पहले नंबर पर मौजूद है भारतीय टीम

भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर मौजूद है। टीम ने अभी तक कुल 9 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से 6 जीते और 2 हारे हैं। उसका पीसीटी 68.52 है। वहीं बांग्लादेश की टीम चौथे नंबर पर मौजूद है। टीम ने 6 मैच खेलकर तीन जीते और इतने ही हारे हैं। उसका पीसीटी 45.83 है। ऐसे में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए ये सीरीज बहुत ही अहम है।

बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम जीत चुकी है 11 टेस्ट

भारत और बांग्लादेश के बीच अभी तक कुल 13 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें से 11 में भारत ने जीत हासिल की है। वहीं 2 टेस्ट मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। बांग्लादेश की टीम आज तक भारत के खिलाफ टेस्ट मुकाबला नहीं जीत पाई है।

टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश का स्क्वॉयड

नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शादमान इस्लाम, शाकिब अल हसन, मेहदी हसन मिराज, जेकर अली अनिक, तस्कीन अहमद, लिटन दास, हसन महमूद, तैजुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, नईम हसन, नाहिद राणा, खालिद अहमद।

संक्षिप्त खेल की खबरें

चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर

एक सेंटीमीटर से खिताब से चूके

नई दिल्ली, 15 सितम्बर 2024। भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा डायमंड लीग खिताब से एक सेंटीमीटर से चूक गए और सत्र के फाइनल में 87 . 86 मीटर के थ्रो के साथ लगातार दूसरी बार दूसरे स्थान पर रहे।दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 वर्ष के चोपड़ा ने 2022 में ट्रॉफी जीती थी और पिछले साल दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका लेकिन विजेता एंडरसन पीटर्स के 87 . 87 मीटर से एक सेंटीमीटर पीछे रह गए। दो बार के विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के पीटर्स ने पहले ही प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका। जर्मनी के जूलियन वेबर 85 . 97 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चोपड़ा ने पिछले महीने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

भारतीय टीम ने अभ्यास के लिए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को बुलाया

नई दिल्ली, 15 सितम्बर 2024। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीमें मैच के अभ्यास पर काफी हद तक निर्भर रही हैं और गौतम गंभीर की टीम भी इससे अलग नहीं है जो विशेष कौशल वाले नेट गेंदबाजों का चयन कर रही है ताकि 19 सितंबर से यहां शुरू हो रही बांग्लादेश श्रृंखला के लिए बल्लेबाजों को तैयार होने में मदद मिल सके।यहां चार दिवसीय शिविर के लिए बुलाए गए तेज गेंदबाजों में से एक पंजाब के गुरनूर बराड़ हैं जिन्होंने अब तक पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और वह पिछले सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान पंजाब किंग्स के साथ भी थे। हालांकि गुरनूर का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। लेकिन इस 24 वर्षीय खिलाड़ी के लिए जो चीज कारगर रही है वो उनकी छह फीट 4.5 इंच लंबा कद और तेज गति से गेंद फेंकने की उनकी क्षमता है।

ऐसा माना जा रहा है कि गुरनूर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा के गेंदबाजी एक्शन के लिए खास तौर पर बुलाया गया है जिन्होंने हाल में रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में पांच विकेट चटकाए थे। राणा की गेंदबाजी की खासियत यह है कि छह फीट पांच इंच लंबे कद के कारण उन्होंने उछाल हासिल किया और पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उन्होंने सीधी लाइन में गेंदबाजी की थी।

दलीप ट्राफी में इंडिया ए ने दर्ज की पहली जीत

दूसरे राउंड के बाद प्वाइंट्स टेबल पर ये टीम पहली पोजीशन पर

नई दिल्ली, 15 सितम्बर 2024। दलीप ट्रॉफी 2024 में इंडिया ए ने डी के खिलाफ खेले गए मुकाबले को चौथे दिन 186 रनों से अपने नाम करने के साथ अपनी पहली जीत भी दर्ज की। मयंक अग्रवाल की कप्तानी में दूसरे राउंड में खेल रही इंडिया ए टीम का इस मुकाबले में गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। इस मैच में इंडिया डी को चौथी पारी में 488 रनों का टारगेट मिला था लेकिन पूरी टीम 301 के स्कोर पर सिमट गई, जिसमें उनके कप्तान श्रेयस अय्यर 41 और इसके अलावा संजू सैमसन 40 रन की ही पारी खेलने में कामयाब हो सके। हालांकि रिकी भुई ने जरूर 113 रनों की शतकीय पारी खेली लेकिन वह अपनी टीम को जीत दिलाने में कामयाब नहीं हो सके।

तनुष कोटियन और शम्स मुलानी रहे इंडिया ए टीम की जीत के हीरो

इस मुकाबले में इंडिया ए टीम को जीत दिलाने में स्पिनर तनुष कोटियन के अलावा ऑलराउंडर खिलाड़ी शम्स मुलानी ने अहम भूमिका निभाई। शम्स ने जहां टीम की पहली पारी में अहम मौके पर 187 गेंदों में 89 रनों की पारी खेलने के साथ टीम का स्कोर 290 रनों तक पहुंचने में मुख्य भूमिका निभाई थी तो वहीं तनुष कोटियन ने इस मुकाबले में कुल 5 विकेट अपने नाम किए जिसमें की चार उन्होंने दूसरी पारी में हासिल किए। इसके अलावा शम्स मुलानी भी गेंद से कमाल दिखाने में कामयाब रहे और मैच में कुल 4 विकेट अपने नाम किए। इंडिया के लिए इस मैच में बल्लेबाजी में प्रथम सिंह और तिलक वर्मा ने शतकीय पारी खेली।

इंट्स टेबल पर इंडिया सी टीम टॉप पर

इंडिया ए टीम इस मुकाबले में जीत के बाद अब प्वाइंट्स टेबल में 6 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। वहीं पहली पोजीशन पर इंडिया सी टीम है जिन्होंने अब तक दो मुकाबले खेले हैं जिसमें एक को उन्होंने एक को 4 विकेट से अपने नाम किया है तो वहीं दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था, जिसके बाद उनके 9 अंक हैं। वहीं दूसरे नंबर पर इंडिया बी टीम है जिन्होंने भी एक मैच में जीत जबकि एक मैच ड्रॉ खेला है और उनके 7 अंक हैं। इस समय प्वाइंट्स टेबल में सबसे आखिरी पायदान पर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेल रही इंडिया डी टीम जिन्होंने अब तक अपने दोनों ही मुकाबलों में हार का सामना किया है।

मोहम्मद शमी ने टीम इंडिया में वापसी के लिए भरी हुंकार

नई दिल्ली, 15 सितम्बर 2024। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आखिरी बार भारतीय टीम के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में खेला था और तब से वह चोट के कारण बाहर हैं, जिसके लिए इस साल की शुरुआत में उनकी सर्जरी हुई थी। शमी टखने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन के बाद 100 प्रतिशत फिटनेस सुनिश्चित करना चाहते हैं और अगर जरूरत पड़ी तो वह इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के लिए कोई समयसीमा तय किए बिना घरेलू क्रिकेट खेलेंगे।

वापसी के लिए कर रहा मेहनतः शमी

बंगाल क्रिकेट संघ के वार्षिक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए मोहम्मद शमी ने कहा कि कोशिश जल्दी ही कर रहा हूं क्योंकि मैं जानता हूं काफी टाइम हो गया है टीम से बाहर रहते हुए। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि जब मैं वापस आउं तो कोई दिक्कत ना हो। ऐसा माना जा रहा है कि शमी घरेलू क्रिकेट में बंगाल की टीम के लिए क्रिकेट में वापसी करने की संभावना है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक शमी यूपी (11 अक्टूबर) और बिहार (18 अक्टूबर) के खिलाफ बंगाल के शुरुआती रणजी मैचों में से एक या दो खेलेंगे।

सलमान खान फिर से बने मसीहा, गोविंदा-बॉबी देओल की तरह लगाएंगे इस एक्टर की भी नैया पार

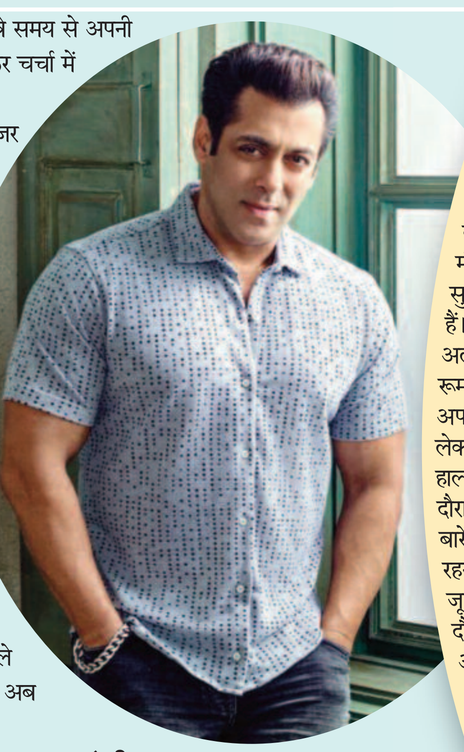

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। टाइगर 3 के बाद अब सलमान खान फिल्म सिकंदरमें नजर आने वाले हैं। सलमान ने इस फिल्म की शूटिंग बीते दिनों शुरु कर दी थी। अब इस फिल्म में एक नए एक्टर की एंट्री हो चुकी हैं।

सलान खान फिर से एक एक्टर के लिए मसीहा बनकर सामने आए हैं। पहले सलमान खान, गोविंदा और बॉबी देओल के लिए मसीहा बनकर उनकी डूबती नैया को पार लगा चुके हैं. जबकि अब एक और एक्टर के लिए सलमान इसी तरह की भूमिका में नजर आने वाले हैं। आइए जानते हैं कि सिकंदर से अब कौन सा एक्टर जुड़ गया है।

सलमान की सिकंदर से जुड़े शरमन जोशी

रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अपकमिंग फिल्म %सिकंदर% में अब चर्चित एक्टर शरमन जोशी की एंट्री हो गई हैं. इसमें वे महत्वपूर्ण रोल में नजर आएंगे. सिकंदर के जरिए सलमान और शरमन जोशी पहली बार साथ काम करते हुए नजर आने वाले हैं. शरमन ने कई फिल्मों में काम किया है. हालांकि उन्हें स्टार का दर्जा नहीं मिल पाया. अरसे से वे बड़ी फिल्म में देखने को नहीं मिले हैं. अब सिकंदर से जुड़ने के बाद उनके करियर को नई दिशा मिल सकती है.

गोविंदा-बॉबी की नैया भी पार लगा चुके हैं सलमान

शरमन से पहले सलमान खान, गोविंदा और बॉबी देओल जैसे स्टार्स का डूबता करियर भी संवार चुके हैं. बता दें कि गोविंदा के पास जब काम नहीं था तब उन्हें सलमान खान ने अपनी फिल्म पार्टनर में मौका दिया था। साल 2007 में आई ये फिल्म हिट रही थी। इसका डायरेक्शन डेविड धवन ने किया था। वहीं सलमान ने बॉबी देओल को भी अपनी फिल्म रेस 3 में मौका दिया था। बॉबी भी तब काम की कमी से जूझ रहे थे। लेकिन इस फिल्म के बाद उनके करियर को एक नई दिशा मिली थी।

अनन्या पांडे ने रिलेशनशिप स्टेटस पर तोड़ी चुप्पी,कहा- मैं एक रहस्यमयी हूं

अनन्या पांडे इन दिनों अपने वेब शो 'कॉल मी बे' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। वेब शो के अलावा अनन्या अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ अपने कथित रिश्ते को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने इन अफवाहों के बारे में बात की और खुद को रहस्यमयी बताया।

जूम के साथ बातचीत के दौरान, एक प्रशंसक ने अनन्या से उनके रिश्ते के बारे में और वह एक साथी में क्या गुण देखती हैं इसके बारे में प्रश्न पूछा। इस पर अनन्या ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'आह, 'रहस्यमयी अनन्या', उन्होंने आगे कहा पहला भाग रहस्य होने वाला है, क्योंकि जैसा मैंने कहा कि मैं एक रहस्यमय व्यक्ति हूं।'

बातचीत में आगे अनन्या ने अपने साथी के अंदर होने वाले गुणों पर चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें कैसा हमसफर चाहिए। अनन्या ने ऐसे व्यक्ति की इच्छा जताई, जो उनके सपनों का समर्थन करे और उनका उत्साह बढ़ाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी ऐसे व्यक्ति को पाना कितना मुश्किल है। अनन्या ने कहा वह एक ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो उन्हें हंसाए और उनका एक अच्छा दोस्त हो।

अनन्या ने इस दौरान यह भी साझा किया कि उन्हें अपने निजी जीवन को लोगों की नजरों से दूर रखना चुनौतीपूर्ण है। अनन्या ने यह भी माना की वह स्वभाव से निजी व्यक्ति नहीं हैं और अपने रिश्तों को साझा करने की इच्छा और गोपनीयता बनाए रखने को लेकर संघर्ष करती हैं।

अनन्या ने कहा, 'अगर मैं किसी से प्यार करती हूं, तो मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ होती हूं, जिसके बारे में मैं छत पर चढ़कर चिल्लाकर बताना चाहती हूं। मैं रिश्तों का जश्न मनाने में विश्वास करती हूं, उन्हें छिपाने में नहीं, लेकिन मैं यह भी समझती हूं कि कभी-कभी आप जिसके साथ होते हैं उसे यह पसंद नहीं होता या वह वैसा नहीं चाहता।' अनन्या के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में 'कॉल मी बे' में देखी गईं और जल्द ही 'सीटीआरएल' में नजर आएंगी।

दीपिका पादुकोण को अस्पताल से मिली छुट्टी,नन्ही परी की एक झलक देखने को तरसीं फैन्स की निगाहें

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बता दें कि 8 सितंबर को दीपिका ने एच एन रिलायंस अस्पताल में बेटी को जन्म दिया था। जैसे ही यह खबर सामने आई की दीपिका ने बेटी को जन्म दिया है फैन्स ही क्या सितारों ने भी रणवीर और दीपिका को जमकर बधाई दी। सभी को इस पल का इंतजार था कि दीपिका नन्ही परी के लेकर घर कब आएंगी। तो वहीं हाल ही में पावर कपल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि रणवीर सिंह पत्नी दीपिका पादुकोण की अस्पताल से छुट्टी करवाकर और अपनी नन्ही परी को गोद में लेकर घर के लिए रवाना हो रहे हैं।

दीपिका को अस्पताल से मिली छुट्टी

दीपिका को नवें दिन अस्पताल से डिस्चार्ज मिल रहा है। ऐसे में फैन्स को इंतजार था कि शायद उन्हें नन्ही परी की एक झलक देखने को मिले, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। काले रंग की कार में दीपिका और रणवीर अपनी नन्ही परी को लेकर घर की ओर रवाना होते दिखे। कार के शीशों को कवर कर दिया गया था। ऐसा बताया जा रहा है दीपिका और रणवीर अनुष्का और विराट की तरीके को अपनाएंगे जी हां, कहा जा रहा है कि वह बच्ची की नो फोटो पॉलिसी अपनाएंगे। वह मीडिया की नजर से बेटी को दूर रखेंगे। हालांकि कपल ऐसा कब तक करेगा इस बार का खुलासा नहीं हुआ है।

शादी के 6 साल बाद माता पिता बने दीपिका-रणवीर

आपको बता दें कि कपल ने साल 2018 में इटली में ग्रैंड लेवल की शादी की थी। वहीं शादी के 6 साल बाद दोनों माता पिता बने हैं। काम की बात करें तो दोनों गोलियों की रासलीलाऱामलीला में साथ में काम किया था और इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के एक दूसरे से प्यार हो गया। इसके बाद दोनों पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, 83%, सर्कस जैसी कई फिल्मों में साथ में नजर आ चुके हैं।

सीएम को नंदकुमार के साथ देखे जाने पर संगठन में चला अटकलों दौर

» जिस नेता के बीजेपी में एंट्री पर खामोश था संगठन
» उसी के साथ जमकर नाचते हुए दिखाई दिए सीएम,
» नंदकुमार साय ने हाल ही में ली है बीजेपी की सदस्यता
» छत्तीसगढ़ में नंद कुमार को लेकर लग रही थीं अटकलें
» विधानसभा चुनाव से पहले छोड़ दिए थे बीजेपी

रायपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित करमा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की देन है। प्रगति के साथ-साथ आदिवासी संस्कृति का संरक्षण भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने पारम्परिक विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान एक अनोखी बात देखने को मिली। जिस नेता के बीजेपी में शामिल होने के बाद प्रदेश संगठन कोई टिप्पणी नहीं कर रहा था सीएम साय उनके साथ नाचते हुए दिखाई दिए।

नंद कुमार साय के साथ सीएम ने किया डांस

मुख्यमंत्री विषअणुदेव साय करमा तिहार के उल्लास में शामिल होने से खुद को रोक नहीं पाए और मांदर पर थाप देते हुए %हाय से सरगुजा नाचे गीत पर जमकर झूमे। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ नेता नंद कुमार साय दिखाई दिए। नंद कुमार साय ने हाल ही में बीजेपी की सदस्यता ली है। साय के बीजेपी में शामिल होने के बाद पार्टी के बड़े नेता बोलने से बच रहे थे। नंद कुमार साय की गिनती कभी पार्टी के सीनियर नेता के तौर पर होती थी लेकिन विधानसभा चुनाव 2023 के कुछ महीनों पहले ही वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

विधानसभा चुनाव के बाद छोड़ दी थी कांग्रेस

विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद नंद कुमार साय ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था उसके बाद से अटकलें लगाई जा रही थीं कि नंद कुमार साय बीजेपी में शामिल होंगे लेकिन वह बीजेपी में शामिल नहीं हुए थे। कहा जा रहा है कि प्रदेश और शीर्ष नेतृत्व से सहमति नहीं मिलने के बाद नंद कुमार साय की बीजेपी में सदस्यता नहीं हो पाई थी। इसके बाद जब बीजेपी ने ऑनलाइन सदस्यता अभियान की शुरुआत की तो नंद कुमार साय तीन सितंबर को बीजेपी में शामिल हो गए थे। उन्होंने ऑनलाइन अपनी सदस्यता कार्ड को शेयर किया था। जिसके बाद से राज्य की सियासत तेज हो गई थी हालांकि इस दौरान प्रदेश का कोई भी बड़ा नेता नंद कुमार साय को लेकर बोलने के लिए तैयार नहीं थी।

क्या कहा सीएम विष्णुदेव साय ने

मुख्यमंत्री साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा- करमा तिहार मनाया गया। आदिवासी संस्कृति में कई तरह के करमा तिहार मनाये जाते हैं।यह त्योहार हमारी कुंवारी बेटियों का त्योहार है। इस करमा पर्व को मनाने का उद्देश्य है कि हमारी बेटियों को अच्छा वर और अच्छा घर मिले। भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करके बेटियां अच्छे वर और अच्छे घर की कामना करती हैं। इसके बाद दशहरा करमा का त्योहार भी आता है, जिसमें शादी के पश्चात पहली बार जब बेटी मायके आती है तो वह उपवास रहकर विजयादशमी का पर्व मनाती है। पुत्र-पुत्रियों के लंबे जीवन की कामना के साथ जियुत पुत्रिका करमा मनाया जाता है। यह एक बहुत कठिन व्रत होता है, जिसमें माताएं चौबीस घण्टे बिना अन्न-जल ग्रहण किये इस करमा पर्व को मनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें आदिवासी संस्कृति को कभी भूलना नहीं है। हमें अपनी संस्कृति को जिंदा रखना है। ये नृत्य-गीत हमारे समाज को जोड़ के रखते हैं । प्रगति के साथ हमें इसे बरकार रखना है। ये बहुत गर्व का विषय है कि आज आपका एक आदिवासी बेटा मुख्यमंत्री है। उन्होंने कहा कि 9 महीने की सरकार में हमारी सरकार में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी की जा रही है। धान का मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल हम दे रहे हैं। दो साल का बकाया बोनस भी हमने दिया है। महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1 हज़ार रुपये माताओं-बहनों के खाते में दिया जा रहा है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी आज दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाएंगे हरी झंडी

रायपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 सितंबर, सोमवार को शाम 4.15 बजे दुर्ग-विशाखा पट्टनम वंदे भारत स्पेशल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। समारोह का आयोजन रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर होगा। वंदे भारत के उद्घाटन समारोह पर पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे। समारोह में राज्यपाल रमेन डेका, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ सभी मंत्री शामिल होंगे। दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत 16 सितंबर को उद्घाटन स्पेशल के रूप में चलेगी और 20 सितंबर से गुरूवार को छोड़कर सप्ताहभर नियमित रूप से चलेगी।

बिलासपुर हाईकोर्ट ने महालेखाकार कार्यालय अफसरों के लिए खींची लक्ष्मण रेखा

बिलासपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि महालेखाकार कार्यालय, सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तिथि से छह माह की अवधि के पश्चात, उसके सेवानिवृत्ति देयक से रिकवरी नहीं कर सकता। इसके लिए शासन को सिविल न्यायालय में जाने की कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। याचिकाकर्ता धरमू राम मंडावी 31-5-2008 को शासकीय हाई स्कूल, सोमाटोला, ब्लॉक मोहला, जिला राजनांदगांव से सेवानिवृत्त हुआ।

सचिन पायलट देवेंद्र यादव के परिवार से की मुलाकात

रायपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं, जहां उन्होंने पार्टी की आगामी रणनीतियों और कार्यक्रमों को लेकर दिशा-निर्देश दिए। पायलट ने कहा कि जिलों में रिक्त पदों पर जल्द ही नियुक्तियां की जाएंगी और पार्टी नेतृत्व जिलों का दौरा करेगा।

सचिन पायलट ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। डबल इंजन सरकार होने के बावजूद जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस नेताओं को निशाना बना रही है, लेकिन कांग्रेस हर चुनौती के लिए तैयार है। भाजपा के सदस्यता अभियान पर उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के साथ खड़ी है, चाहे भाजपा कोई भी अभियान चलाए।

पूर्व गृहमंत्री की पत्नी को दी श्रद्धांजलि

दिल्ली से लौटने के बाद सचिन पायलट ने दुर्ग पहुंचकर पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की पत्नी कमला साहू को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के निवास पर भी पहुंचे, जहां उन्होंने यादव के परिवार से मुलाकात की। पायलट ने देवेंद्र यादव की मां को ढांढस बंधाते हुए कहा कि आप चिंता न करें, देवेंद्र जल्द लौटेगा।

निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

निकाय चुनावों और रायपुर दक्षिण उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर तैयारी तेज कर दी है। प्रभारी महासचिव ने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया और आने वाले दिनों में पार्टी की स्थिति और मजबूत करने पर जोर दिया।

चुनावी तैयारियों पर मंथन

पायलट ने कांग्रेस के सीनियर नेताओं के साथ बैठकों का दौर शुरू किया, जिसमें रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव और नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए रणनीति बना रही है, ताकि चुनावों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत हो।

संगठन में बदलाव और नियुक्तियों पर चर्चा

संगठन में बदलाव की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। पायलट ने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को खाली पदों पर नियुक्तियों के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे। इन बैठकों के जरिए पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों पर भी चर्चा की जाएगी, जिससे संगठन को और मजबूत किया जा सके।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच नए मार्गों पर चलेंगी यात्री बसें

दोनों राज्यों के बीच हुआ समझौता

रायपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश परिवहन विभाग की ओर से यात्री सुविधा के विस्तार और सुगम यातायात के लिए के लिए 17 वर्षों के बाद दोनों राज्यों के विभागों की पहल पर मध्यप्रदेश के मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल में बैठक आयोजित की गई. मध्यप्रदेश राज्य की ओर से इस बैठक में एस. एन. मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से एस. प्रकाश, सचिव, परिवहन विभाग सह परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ की उपस्थित में हुई। दोनों राज्यों के बीच परिवहन विभाग के विभिन्न मुद्दों पर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के मध्य वर्ष 2007 में हुए अंतर्राज्यीय पारस्परिक यातायात समझौता में अभिवृद्धि किये जाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 34 नवीन मार्गों और मध्यप्रदेश राज्य द्वारा 19 नवीन मार्गों को जोड़ने पर सहमति बनी. इसके अलावा पारस्परिक करार के 81 मार्गों में 36 मार्गों में रिक्ति नहीं होने के कारण फेरा वृद्धि, सहमति मार्गों को पारस्परिक करार में शामिल करने, यातायात के आधुनिकीकरण, मुक्त जोन पर किसी प्रकार का टैक्स नहीं लेने, सहित संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण सहित अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सहमति बनी. बैठक में लिये गये सभी निर्णयों पर कार्यवाही आगामी दिनों में वैधानिक प्रक्रिया अनुसार की जाएगी।

ग्रामीणों ने काटा बवाल

» पुलिस की टीम पर भी किया हमला,
» अभिषेक पल्लव को बंधक बनाने की कोशिश,
» हिरासत में लिए गए 40 लोग

कवर्धा, 15 सितम्बर 2024(ए)। जिले के लोहारीडीह में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां गांव के लोगों ने एक परिवार को जलाने की कोशिश की। यह घटना उस समय घटी जब एक युवक की हत्या के शक में ग्रामीणों ने हंगामा खड़ा कर दिया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब गुस्साए लोगों ने मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया।सूत्रों के हवाले से यह खबर सामने आ रही है कि आक्रोशित ग्रामीणों ने एसपी अभिषेक पल्लव को बंधक बनाने की कोशिश की, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए। फिलहाल, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांव में बवाल करने वाले 40 लोगों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

बस्तर में नक्सलियों ने कर दी शिक्षादूत की हत्या

» बंद पड़े स्कूलों को खोलने में निभाई थी अहम भूमिका
» जन अदालत में की डंडों से पिटाई

सुकमा, 15 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ते जा रहे दबाव से बौखलाए नक्सलियों ने खून-खराबा तेज कर दिया है। सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में एक बार फिर से नक्सलियों ने बर्बरता दिखाई है। यहां नक्सलियों ने जन अदालत लगाकर शिक्षादूत की लाठी-डंडों से पिटाई की। उसके बाद रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

नक्सलियों ने शिक्षक दूधी अर्जुन पिता दूधी मंगडू निवासी गोंडपल्ली की हत्या कर दी। सुकमा पुलिस के अनुसार, इस हत्या में शामिल नक्सलियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। घटना के संबंध में जगरगुंडा थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस घटना की गहन जांच में जुटी हुई है।

बंद पड़े स्कूलों को खुलवाने का दिया ये इनाम

बता दें कि मृतक दुधी अर्जुन ने नक्सलियों के डर के बावजूद बंद पड़े स्कूलों को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस हत्या के पीछे नक्सलियों का आरोप है कि अर्जुन ने उनकी गतिविधियों के खिलाफ काम किया और उनके द्वारा चलाए जा रहे जनसहायता कार्यों का विरोध किया।सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने इस घटना की पुष्टि की और बताया कि नक्सलियों द्वारा की गई यह हत्या बेहद दुखद और निंदा की जाने वाली है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

सुकमा में जादू-टोने के शक में 5 लोगों की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

मृतकों में 3 महिलाएं भी शामिल

सुकमा, 15 सितम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा में जादू-टोने के शक में पांच लोगों की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। यह घटना कोंटा थाना क्षेत्रान्तर्गत एतकल गांव की है। मरनेवाले सभी लोग एतकल गांव के ही रहनेवाले हैं। इस मामले के सभी आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपियों के खिलाफ कोंटा थाने में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

पांच लोगों को हिरासत में लिया

पुलिस ने बताया कि हत्या के सिलसिले में एक ही गांव के पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने यहां बताया कि यह घटना कोंटा थाना क्षेत्र के एकतल गांव में हुई और पीड़ितों की पहचान मौसम कन्ना (34), उसकी पत्नी मौसम बिरी, मौसम बुच्चा (34), उसकी पत्नी मौसम आरजू (32) और एक अन्य महिला करका लच्छी (43) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए आरोपियों में सवलम राजेश (21), सवलम हिड़मा, करम सत्यम (35), कुंजम मुकेश (28) और पोडियाम एंका शामिल हैं। उन्होंने बताया कि घटना की जांच जारी है।

11 माह के बच्चे समेत चार लोगों की हत्या

बता दें कि इससे पहले बृहस्पतिवार को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में जादू-टोना के शक में 11 माह के शिशु समेत एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई थी। घटना कसडोल थाना क्षेत्र के छरछेड़ गांव में शाम करीब छह बजे हुई तथा मारे गए लोगों की पहचान चैतराम कैवर्त्य (47), उनकी बहनें - जमुना (28) और यशोदा (30) तथा जमुना के 11 माह के बेटे यश के रूप में हुई।

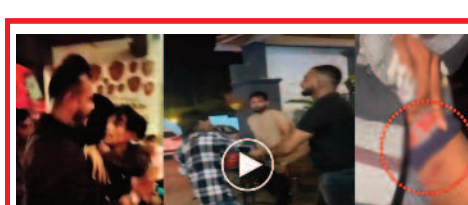

राजधानी में फिर हुई चाकूबाजी

ऑन द रॉक्स डांस बार में बदमाश ने मामूली विवाद के बाद युवक पर किया हमला, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

रायपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। राजधानी में वीआईपी रोड स्थित ऑन द रॉक्स डांस बार में बीती रात चाकूबाजी का मामला सामने आया है। जहां बदमाशों ने मामूली विवाद के बाद एक युवक के कूल्हे और जांघ पर चाकू से ताबड़तोड़ वारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बार में मौजूद बाउंसर कुछ युवकों को बहस करते और युवक का हाथ मरोड़ते हुए वीडियो सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रहा है।जानकारी के मुताबिक, ऑन द रॉक्स बार में यह घटना शनिवार रात करीब 10 बजे के आसपास घटित हुई। बार के डांस फ्लोर पर लोग डांस कर रहे थे, इस दौरान एक-दूसरे से टकराने के चलते कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ था, इस दौरान गुस्से में आकर एक शख्‍स ने चाकू निकाल लिया और दूसरे युवक पर हमला कर दिया। इसके बाद घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद, तेलीबांधा थाना पुलिस ने मामला संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कैफे प्रबंधन से भी पूछताछ कर रही है।

महिला अधिकारी हुई ऑनलाईन ठगी का शिकार

रायपुर, 15 सितम्बर 2024(ए)। देशभर में लगातार हो रहे ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार अनपढ़ लोगों की बजाय ज्यादातर पढ़े लिखे लोग ही बन रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में पदस्थ एक महिला अधिकारी ऑनलाइन ठगी करने वालों के झांसे में आ गई। महिला के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज होने का झांसा देकर ठगों ने उससे अपने खातों में रूपये डलवा लिए। धोखाधड़ी का अहसास होने पर महिला ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

सीजीपीएससी की अनुभाग अधिकारी जयश्री निर्वाण ठगों का शिकार हो गईं। ठगों ने फर्जी एफआईआर के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे आरोपों का डर दिखाकर ₹30,000 रूपये उड़ा लिए। पीड़ित अधिकारी ने राखी थाना में ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। वहीं पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर तहकीकात शुरू कर दी है।

ठगों ने इस तरह लिया झांसे में

जयश्री निर्वाण ने इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस को बताया कि वे सेक्टर 29 नवा रायपुर में रहती हैं और छ.ग. लोक सेवा आयोग नया रायपुर में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। एक शख्स ने उनके मोबाईल नंबर पर कॉल करके बताया कि मैं विनोद कुमार, टेलीकॉम रेग्यूलेटोरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया दिल्ली हेड ऑफिस से हूं। विनोद ने बताया कि आपके विरूद्ध एफआईआर नंबर डीएल 1845/0724 दर्ज हुई है, ये मनी लॉड्रिंग का केस है। इसके बाद जयश्री को एफ आईआर की कॉपी उनके व्हॉट्एप्प पर भेजी गई। बताया गया कि संदीप कुमार नामक व्यक्ति को मनी लाड्रिंग के संबंध में गिरफ्तार किया गया है, जिसने आपके खाता में पैसा भेजा है, और उसके बयान के आधार पर दिल्ली पुलिस में आपके नाम से एफ.आई.आर. दर्ज किया गया है।

बैंक एकाउंट चेक करने का किया बहाना

कॉलर द्वारा कहा गया कि आपका बैंक एकाउंट चेक करना है। मुझे मेरे बैंक एकाउंट के आखरी के 04 डिजिट बताने कहा गया, जिसमें रू. 30,201रूपये थे। कॉलर ने एक अकाउंट नंबर भेजकर कर कहा कि इसमें 30,001 डालिये, आपको 15-20 मिनट में चेक करके उक्त रकम वापस किया जायेगा, ये केवल चेक करने के लिये है।

रूपये ट्रांसफर किये फिर वापस आने का करती रहीं इंतजार..!

बातचीत के लगभग 10-15 मिनट के अंदर जयश्री निर्वाण ने उनके द्वारा दिये गये एकाउंट नंबर पर उक्त धनराशि ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद हर आधे घण्टे में उन्हें मैसेज आ रहे थे, लेकिन सुबह तक उनके सेविंग एकाउंट में उक्त धनराशि वापस नहीं आई, तब उन्होंने रूपये वापस करने के संबंध में मैसेज किया। इस पर संबंधित कॉलर ने उन्हें धमकी देना शुरू कर दिया। तब जयश्री को समझ में आया कि उनके साथ ऑनलाईन फ्रॉड हुआ है। जयश्री ने बताया उस मोबाइल नंबर से अभी भी उन्हें मैसेज आ रहे है।

सीजीपीएससी घोटाले की सीबीआई कर रही जांच

गौरतलब है कि सीजीपीएससी में हुई भर्ती में कथित तौर पर हुए घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है। यहां पूर्व अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारियों पर अपराध दर्ज है। इनके यहां टीम ने छापा भी मारा है। माना जा रहा है कि महिला अधिकारी इसी डर से ठगों के चंगुल में आ गई। और खुद को बचाने के लिए ठगों को खाते की जानकारी दे दी और उनके कहे अनुसार रूपये भी भेज दिए। बहरहाल राखी थाने की पुलिस ने मामला दर्ज कर ठगों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)